RNI : CHHHIN/2022/83766 | ■ वर्ष : 03, अंक : 308 ■ गरियाबंद से प्रकाशित ■ शुक्रवार, 01 अगस्त 2025 ■ पृष्ठ : 08 ■ मूल्य : 3 रुपए | www.gangaprakash.com

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

गंगा प्रकाश

संपादक : प्रकाश कुमार यादव

प्रबंध संपादक : रज्जू बंजारे

मनोरंजन 07
सारा अली खान बीजेपी लीडर के बेटे को कर रहीं डेट?

आंचलिक 03
चरौदा से जोगीडीपा मार्ग की मरम्मत शुरू – वर्षों पुरानी मांग पर टूटी...

खेल 06
अगर पांचवां टेस्ट नहीं खेले जसप्रीत बुमराह, तो कुछ ऐसी हो सकती है...

दैनिक समाचार पत्र गंगा प्रकाश को पत्रकारो की आवश्यकता है।
इच्छुक व्यक्ति संपर्क करें :- 8878098815 9770269285

संक्षिप्त समाचार

नीतीश कुमार ने आशा और ममता कार्यकर्ताओं को दिया तोहफा

पटना। बिहार में विधानसभा चुनाव नजदीक आते ही मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सभी वर्ग के लोगों को रिझाने में लगे हुए हैं।उन्होंने आशा और ममता कार्यकर्ताओं के लिए बड़ी घोषणा की। जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) और भाजपा के गठबंधन वाली सरकार के मुखिया नीतीश ने सोशल मीडिया पर जानकारी दी कि अब आशा कार्यकर्ताओं को प्रोत्साहन राशि 1,000 रुपये की जगह 3,000 रुपये दिया जाएगा। ममता कार्यकर्ताओं को प्रति प्रसव 300 रुपये की जगह 600 रुपये मिलेगा। नीतीश ने एक्स पर लिखा, नवंबर 2005 में सरकार बनने के बाद से हमलोगों ने स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए बड़े पैमाने पर काम किया। ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने में आशा और ममता कार्यकर्ताओं ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसे ध्यान में रखते हुए तथा ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण में आशा और ममता कार्यकर्ताओं के अहम योगदान को सम्मान देते हुए उनकी मानदेय राशि में वृद्धि करने का निर्णय लिया गया है।

अलकायदा से जुड़ी 30 वर्षीय संदिग्ध आतंकी महिला बेंगलुरु से गिरफ्तार

बेंगलुरु। गुजरात की आतंकवाद निरोधी दस्ते (एटीएस) ने अलकायदा से जुड़ी एक 30 वर्षीय आतंकी महिला को गिरफ्तार किया है। महिला की पहचान शमा परवीन के रूप में हुई है। महिला अल-कायदा इन द इंडियन सबकॉन्टिनेंट से जुड़े आतंकी मॉड्यूल की मुख्य साजिशकर्ता है, उसे गुप्त सूचना के बाद कर्नाटक के बेंगलुरु से गिरफ्तार किया गया है। परवीन पर पूरे मॉड्यूल को चलाने का आरोप है। वह कर्नाटक से एक्यूआईएस संचालन का समन्वय करने वाली मुख्य संचालक थी। रिपोर्ट के मुताबिक, परवीन को गिरफ्तार करने से पहले एटीएस 23 जुलाई को 4 अन्य लोगों को गिरफ्तार किया गया था। सभी की उम्र 20 से 25 साल के बीच है। इनकी पहचान मोहम्मद फरदीन, सैफुल्लाह कुरैशी, जीशान अली और मोहम्मद फैक के रूप में हुई है।

आंध्र प्रदेश के कोनासीमा में निजी स्कूल के प्रधानाचार्य ने छात्रा का रेप किया

अमरावती। आंध्र प्रदेश के डॉ भीमराव अंबेडकर कोनासीमा जिले में एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां एक निजी स्कूल के प्रधानाचार्य जयराजू पर स्कूल की नाबालिग छात्रा का यौन उत्पीड़न करने का आरोप है। छात्रा 3 महीने की गर्भवती हो गई है। छात्रा के माता-पिता ने रायवरम पुलिस स्टेशन में एक औपचारिक शिकायत दर्ज कराई गई है। अधिकारियों ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच शुरू कर दी है। प्रधानाचार्य को हिरासत में लेकर पूछताछ हो रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, छात्रा स्कूल में कक्षा 9 की छात्रा है। उसके साथ 4 महीने पहले प्रधानाचार्य ने जबरन रेप किया था। आरोप है कि प्रधानाचार्य ने छात्रा को धमकाया कि अगर उसने किसी को इस बारे में बताया तो गंभीर परिणाम भुगतने होंगे।

मुंबई की एनआईए कोर्ट का फैसला

मालेगांव धमाके में साध्वी प्रज्ञा समेत सभी आरोपी बरी हुए.....

नई दिल्ली/ एजेंसी

2008 मालेगांव विस्फोट विशेष एनआईए अदालत ने पूर्व भाजपा सांसद प्रज्ञा सिंह ठाकुर और लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसाद पुरोहित समेत सभी सातों आरोपियों को बरी किया। 2भाजपा की पूर्व सांसद प्रज्ञा सिंह ठाकुर और लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसाद पुरोहित समेत सभी सात आरोपी अदालत में उपस्थित हुए थे। विशेष एनआईए अदालत ने कहा कि अभियोजन पक्ष आरोप साबित करने में नाकाम रहा, आरोपी संदेह का लाभ पाने के हकदार। यह घटना महाराष्ट्र के सांप्रदायिक रूप से संवेदनशील मालेगांव शहर में हुए एक शक्तिशाली विस्फोट के लगभग 17 साल बाद हुई है, जिसमें छह लोग मारे गए थे और 100 से अधिक घायल हो गए थे। भाजपा की पूर्व सांसद प्रज्ञा सिंह ठाकुर ने कहा कि अदालत द्वारा बरी किया जाना न केवल उनकी, बल्कि हर भगवा की जीत है। प्रज्ञा ठाकुर और लेफ्टिनेंट कर्नल पुरोहित समेत सभी सात आरोपी, जिन पर गैरकानूनी गतिविधियाँ (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) और भारतीय दंड संहिता के तहत अपराधों के लिए मुकदमा चल रहा था, अदालत में मौजूद थे। मेजर (सेवानिवृत्त) रमेश उपाध्याय, अजय राहिरकर, सुधाकर द्विवेदी, सुधाकर चतुर्वेदी और समीर कुलकर्णी इस मामले के अन्य आरोपी थे। इस मामले की जाँच करने वाली राष्ट्रीय जाँच एजेंसी (एनआईए) ने आरोपियों के लिए उचित सजा की माँग की थी। यह विस्फोट 29 सितंबर, 2008 को मालेगांव के एक मुस्लिम बहुल इलाके के एक चौक पर हुआ था। यह रमज़ान का महीना था, जब मुस्लिम समुदाय रोज़ा रखता है। इंडियन एक्सप्रेस की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि यह संदेह था कि विस्फोट के पीछे के लोगों ने सांप्रदायिक दरार पैदा करने के लिए, हिंदू नवरात्रि उत्सव से ठीक पहले, मुस्लिम पवित्र महीने का समय चुना था। स्थानीय पुलिस से जाँच महाराष्ट्र आतंकवाद निरोधी दस्ते (एटीएस) को सौंप दी गई। हालाँकि यह दावा किया गया था कि विस्फोट के बाद 101 लोग घायल हुए थे, एनआईए अदालत ने फैसला सुनाया कि केवल 95 लोग घायल हुए थे, और यह भी कहा कि कुछ चिकित्सा प्रमाणपत्रों में हेराफेरी की गई थी। फैसला सुनाते हुए, विशेष न्यायाधीश ए.के. लाहोटी ने कहा: अभियोजन पक्ष यह साबित करने में विफल रहा कि बम मोटरसाइकिल पर लगाया गया था। यह संभव है कि विस्फोटक उपकरण कहीं और रखा गया हो। इस बात का कोई ठोस सबूत नहीं है कि आरडीएक्स कश्मीर से लाया गया था या ले जाया गया था। जाँच यह पता नहीं लगा सकी कि मोटरसाइकिल किसने खड़ी की थी या वह वहाँ कैसे पहुँची।न्यायाधीश ने आगे कहा घटनास्थल की जाँच के दौरान, विस्फोट स्थल के पास एक महत्वपूर्ण पत्थर ज़ब्त नहीं किया जा सका, संभवत: घटना के बाद मची अफ़रा-तफ़री के कारण। घटनास्थल पर फिंगरप्रिंट के नमूने एकत्र नहीं किए गए। एकत्र किए गए साक्ष्य संभवत: क्षतिग्रस्त या दूषित हो सकते हैं। हालाँकि बाइक के चेसिस से छेड़छाड़ नहीं की गई थी, लेकिन जाँच के लिए उसे ठीक से ठीक भी नहीं किया गया था। हालाँकि साध्वी प्रज्ञा मोटरसाइकिल की पंजीकृत मालिक हैं, लेकिन इस बात का कोई सबूत नहीं है कि विस्फोट के समय यह उनके कब्जे में थी। अभियोजन पक्ष यह भी साबित नहीं कर सका कि कोई षड्यंत्रकारी बैठक हुई थी। गवाहों के बयान असंगत और अस्पष्ट थे। न्यायाधीश ने ज़ोर देकर कहा कि कोई भी धर्म आतंकवाद का समर्थन नहीं करता।

आतंकवाद कभी भगवा नहीं था और न ही कभी होगा-फडणवीस

महाराष्ट्र के मालेगांव विस्फोट मामले में गुरुवार को 17 साल बाद एनआईए की विशेष अदालत ने पूर्व भाजपा सांसद प्रज्ञा सिंह ठाकुर और लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसाद पुरोहित सहित सभी सात आरोपियों को बरी कर दिया। कोर्ट के इस फैसले के बाद राजनीतिक गलियारे में बयानबाजी तेज हो गई है। एक तरफजहां तरफभाजपा नेताओं ने इस फैसले का स्वागत किया। साथ ही 'भगवा आतंकवाद' के मुद्दे पर विपक्ष को आड़े हाथ लेना शुरू कर दिया है। वहीं दूसरी ओर कांग्रेस फिर से इस फैसले को चुनौती देने की बात पर जोर दे रही है। आइए जानते है कि इस मामले में किसने क्या कहाएनआईए कोर्ट के फैसले के बाद तेज होती सियासत के बीच महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की यूपीए सरकार ने भगवा आतंकवाद और हिंदू आतंकवाद का झूठा आरोप बनाकर इस पूरे मामले को राजनीतिक रंग देने की कोशिश की। उन्होंने बताया कि कांग्रेस ने अपने वोट बैंक खासकर एक धर्म के वोटों को खुश करने के लिए ये गलत कहानी बनाई। फडणवीस ने कहा कि कांग्रेस ने सभी हिंदुओं को आतंकवादी बताने की कोशिश की, जिसे अब पूरा देश नकार रहा है। उन्होंने मांग की कि कांग्रेस इन गलत शब्दों का इस्तेमाल करने के लिए माफी मांगे। उन्होंने कहा कि आतंकवाद न कभी भगवा था, न है और न ही कभी होगा। उन्होंने कहा कि अब सच सामने आ गया है।

हिंदू कभी आतंकवादी नहीं हो सकता...शाह की दो टूक कांग्रेस को भी खूब सुनाया

भारत में आतंकवाद के 'पतन' के कगार पर होने की बात दोहराते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राज्यसभा में अपने संबोधन में कहा कि हिंदू कभी आतंकवादी नहीं हो सकते। पहलगाम नरसंहार और ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा के दौरान कांग्रेस पर निशाना साधते हुए शाह ने कहा कि कांग्रेस ने कश्मीर का एक हिस्सा पाकिस्तान को दे दिया, लेकिन नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार इसे वापस लेगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी की उदार नीतियों और तुष्टिकरण के रवैये ने देश में आतंकवाद को पनपने और फलने-फूलने का मौका दिया। सौभाग्य से, अब हमारे पास ऐसा नेतृत्व है जो केवल दस्तावेज़ों पर निर्भर रहने के बजाय निर्णायक कार्रवाई करता है, ब्रह्मोस मिसाइल तैनात करता है। पूर्व केंद्रीय मंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता पी चिदंबरम के इस आकलन की आलोचना करते हुए कि 22 अप्रैल को बैसरन घाटी में पर्यटकों पर हमला करने वाले आतंकवादियों से पाकिस्तान का कोई ठोस संबंध नहीं है, गृह मंत्री ने कहा, चिदंबरम साहब ने कल कहा था कि यह नहीं कहा जा सकता कि ऑपरेशन सिंदूर निर्णायक था। चिदंबरम साहब यहाँ नहीं हैं, लेकिन मैं उन्हें जवाब देना चाहता हूँ। मैं उनसे पूछना चाहता हूँ कि क्या 1965 और 1971 के युद्ध निर्णायक थे। अगर वे निर्णायक थे, तो आतंकवाद क्यों फैलता रहा गृह मंत्री ने कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह के 2008 के उस बयान का भी ज़िक्र किया जिसमें उन्होंने 26/11 के मुंबई आतंकी हमलों में आरएसएस के शामिल होने की संभावना जताई थी।

तेलंगाना में विधायकों को कोर्ट का अल्टीमेटम

स्पीकर को दिया तीन महीने में फैसला सुनाने का निर्देश दिए......

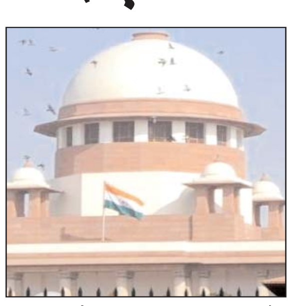

हैदराबाद। सुप्रीम कोर्ट ने तेलंगाना में दलबदल करने वाले भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के विधायकों की अयोग्यता पर तेजी से निर्णय लेने का निर्देश विधानसभा अध्यक्ष को दिया है। कोर्ट ने स्पष्ट कहा कि यह फैसला तीन महीने के भीतर हो जाना चाहिए, वरना लोकतंत्र को नुकसान पहुंच सकता है। कोर्ट का यह आदेश तब आया है जब कांग्रेस में शामिल हुए 10 बीआरएस विधायकों के खिलाफ अयोग्यता याचिकाओं पर सात महीने बाद भी कोई फैसला नहीं हुआ। मुख्य न्यायाधीश बी.आर. गवई की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि यदि स्पीकर समय पर कार्रवाई नहीं करते तो यह 'ऑपरेशन सफल, मरीज मृत' वाली स्थिति होगी। कोर्ट ने कहा कि यह मामला 10वीं अनुसूची से जुड़ा है, जिसमें दलबदल की स्थिति में स्पीकर को त्वरित फैसला लेना होता है। कोर्ट ने स्पीकर से कहा कि वे विधायकों को प्रक्रिया में देरी नहीं करने दें और यदि ऐसा होता है तो उनके खिलाफ प्रतिकूल निष्कर्ष निकाल सकते हैं। कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि राजनीतिक दलबदल देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए गंभीर खतरा हैं। अगर इसे रोका नहीं गया तो यह पूरी प्रणाली को अस्थिर कर सकता है। कोर्ट ने संसद से भी आग्रह किया कि वह विचार करे कि क्या दलबदल मामलों में स्पीकर को ही निर्णय देने का मौजूदा तंत्र उचित है या इसमें बदलाव की जरूरत है। सुप्रीम कोर्ट ने तेलंगाना हाई कोर्ट के उस आदेश को भी रद्द कर दिया जिसमें कहा गया था कि स्पीकर 'उचित समय' में फैसला लें। कोर्ट ने माना कि पहले दिए गए आदेशों से कार्रवाई में देरी ही हुई है, जबकि संविधान की मंशा तत्काल निर्णय लेने की थी। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने नाराजगी जताई कि स्पीकर ने सात महीने तक अयोग्यता याचिकाओं पर कोई नोटिस तक जारी नहीं किया। कोर्ट ने कहा कि जब ऐसी याचिकाओं पर इतनी देरी होती है।

विधायकों के नाम और याचिका की पृष्ठभूमि

बीआरएस की ओर से याचिका दाखिल करने वालों में पाडी कौशिक रेड्डी सहित अन्य विधायक शामिल थे। ये याचिकाएं उन विधायकों के खिलाफ थीं जो बीआरएस के टिकट पर जीतने के बाद कांग्रेस में चले गए। इनमें दानम नागेंदर, वेंकट राव टेल्लम और कडियम श्रीहरि जैसे नाम प्रमुख हैं। हाई कोर्ट ने पहले इन मामलों में जवाब दाखिल करने का आदेश दिया था। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी की विधानसभा में की गई टिप्पणी पर भी नाराज़गी जताई, जिसमें उन्होंने कहा था कि राज्य में कोई उपचुनाव नहीं होगा। कोर्ट ने कहा कि एक जिम्मेदार नेता को ऐसी टिप्पणी से बचना चाहिए।

ट्रंप की डेड इकोनॉमी वाले बयान पर राहुल ने मोदी को घेरा

हमारी आर्थिक,रक्षा और विदेश नीति को किया बर्बाद...राहुल...

नई दिल्ली/ एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भारत पर 25 फीसदी टैरिफलगाने पर कांग्रेस सांसद और विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने पीएम मोदी पर हमला बोला है। राहुल गांधी ने कहा कि ट्रंप ने 30-32 बार दावा किया है कि उन्होंने युद्धविराम कराया। उन्होंने यह भी कहा कि पांच भारतीय जेट गिर गए। ट्रंप अब कहते हैं कि वह 25त्न टैरिफ लगाएंगे। इस पर पीएम मोदी जवाब क्यों नहीं दे पा रहे हैं? असली वजह क्या है? उनके हाथ में नियंत्रण किसके पास है राहुल गांधी ने कहा कि विदेश मंत्री भाषण देते हैं और कहते हैं कि हमारी विदेश नीति प्रभावशाली है। एक तरफ अमेरिका आपको गाली दे रहा है, दूसरी तरफ

चीन आपके पीछे पड़ा है। जब आप अपना प्रतिनिधिमंडल दुनिया में भेजते हैं, तो कोई भी देश पाकिस्तान की निंदा नहीं करता। वे इस देश को कैसे चला रहे हैं? यह पूरी तरह से भ्रम की स्थिति है। पीएम मोदी ने अपने भाषण में ट्रंप और चीन का नाम नहीं लिया। पाकिस्तान के सैन्य प्रमुख जिन्होंने पहलगाम हमला किया राष्ट्रपति ट्रंप उनके साथ दोपहर का भोजन कर रहे हैं और पीएम मोदी कह रहे हैं कि हमें बड़ी सफलता मिली। ट्रंप के मृत अर्थव्यवस्था वाले बयान पर कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा कि ट्रंप सही हैं। प्रधानमंत्री और वित्त मंत्री को छोड़कर हर कोई यह जानता है। हर कोई जानता है कि भारतीय अर्थव्यवस्था एक मृत अर्थव्यवस्था है। मुझे खुशी है कि राष्ट्रपति ट्रंप ने एक सही तथ्य कहा है। पूरी दुनिया जानती है कि भारतीय अर्थव्यवस्था एक मृत अर्थव्यवस्था है। भाजपा ने अदाणी की मदद करने के लिए अर्थव्यवस्था को खत्म कर दिया है। राहुल गांधी ने कहा कि पीएम मोदी केवल एक व्यक्ति के लिए काम करते हैं।

जम्मू-कश्मीर के पुंछ में एलओसी के पास घुसपैठ की कोशिश

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के पुंछ में सुरक्षा बलों ने नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास घुसपैठ की कोशिश को नाकाम कर दिया। सुरक्षा बलों ने 2 पाकिस्तानी आतंकवादियों को मार गिराया है। आतंकियों की अभी पहचान नहीं हुई है। एलओसी के पास संदिग्ध व्यक्तियों की गतिविधि का पता चलने के बाद भारतीय सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस ने पुंछ के देघवार सेक्टर में तलाशी अभियान चलाया था। इलाके में सतर्कता बढ़ा दी गई है। सेना के अधिकारियों ने बताया कि इलाके में संदिग्ध गतिविधि का पता चलने पर जब तलाशी अभियान चलाया गया तो गोलीबारी शुरू हो गई। गोलीबारी का जवाब दिया गया, जिसके बाद जंगलों से 2 शव बरामद हुए हैं। बताया जा रहा है ।

ट्रंप के 25 प्रतिशत टैरिफ पर बोले केंद्रीय वाणिज्य मंत्री

भारत राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए सभी कदम उठाएगा......

नई दिल्ली/ एजेंसी

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने गुरुवार को कहा कि केंद्र सरकार देश के राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए सभी कदम उठाएगी। यह बात अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने की घोषणा के एक दिन बाद कही गई। उन्होंने नई दिल्ली द्वारा रूसी तेल और हथियार खरीदने के फैसले का हवाला दिया। लोकसभा में बोलते हुए, गोयल ने आगे कहा कि केंद्र सरकार ट्रंप के 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने के फैसले के प्रभावों की जांच कर रही है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि केंद्र ने ट्रम्प के बयान पर ध्यान दिया है और वर्तमान में इसके प्रभावों का अध्ययन कर रहा है।

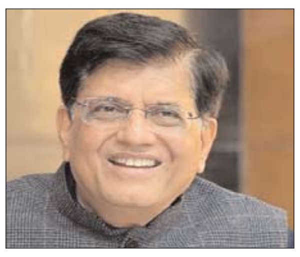

सरकार ने कहा कि भारत और अमेरिका पिछले कुछ महीनों से एक निष्पक्ष, संतुलित और पारस्परिक रूप से लाभकारी द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर पहुँचने के लिए बातचीत कर रहे हैं। बता दें कि ट्रंप ने भारत पर 25 प्रतिशत का टैरिफ लगाने का ऐलान किया है, जो कि 1 अगस्त 2025 से लागू होगा। ये फैसला भारत और अमेरिका के बीच कूटनीतिक और व्यापारिक रिश्तों में तनाव पैदा कर सकते हैं। आपको बता दें कि डोनाल्ड ट्रंप ने भारत के चीन और रूस के साथ व्यापार करने पर नाराजगी जताई है। ट्रंप ने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा है कि भारत हमारा दोस्त है, लेकिन उनके ऊंचे टैरिफ और रूस से सैन्य उपकरण और ऊर्जा खरीद ने उनकी नीतियों को लेकर चिंता है। खासकर तब जब दुनिया यूक्रेन में रूस की हिंसा रोकना चाहती है। इस आधार पर उन्होंने भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ और एक एक्स्ट्रा पैनल्टी लगाने का ऐलान किया है। इसके अलावा अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की तरफ से लगातार भारत और रूस को लेकर बयानबाजी भी सामने आ रही है।

कोर्ट के फैसले पर भाजपा बोली-रविशंकर

कांग्रेस की हिंदू आतंकवाद की साजिश ध्वस्त हो गई...

नई दिल्ली। मालेगांव ब्लास्ट मामले में एनआईए कोर्ट द्वारा सभी आरोपियों को बरी किए जाने पर भाजपा नेता रविशंकर प्रसाद ने कहा कि कांग्रेस की हिंदू आतंकवाद की साजिश ध्वस्त हो गई है। एक प्रेस कांफ्रेंस में उन्होंने कहा कि किसी भी आरोपी के खिलाफ कोई सबूत नहीं था। कश्मीर में आतंकवाद के खिलाफ लड़ने वाले कर्नल पुरोहित पर आरोप लगाया गया था। प्रज्ञा ठाकुर पर ब्लास्ट में अपनी मोटरसाइकिल का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया गया था। उन्हें इतना प्रताड़ित किया गया कि उसके बाद वह चल नहीं सकती थीं। यह विशुद्ध वोट बैंक की राजनीति के लिए कांग्रेस की साजिश थी। हम कोर्ट के फैसले का स्वागत करते हैं।

पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि आज एक बहुत ही ऐतिहासिक दिन है। हिंदू आतंकवाद को देश के ऊपर जबरन थोपने का कांग्रेस पार्टी का षड्यंत्र आज धराशायी हो गया है। उन्होंने कहा कि इस मामले में कर्नल पुरोहित एक बहुत ही डेकोरेटेड आर्मी ऑफिसर था, जिसने कश्मीर में आतंकवाद के खिलाफ बड़ी लड़ाई लड़ी, उसको फंसाया गया।

कैबिनेट की मंजूरी मिली

राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम को मिलेगी 2000 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता-अश्विनी वैष्णव

नई दिल्ली/ एजेंसी

केंद्रीय मंत्रीमंडल ने 2025-26 से 2028-29 तक 4 साल की अवधि के लिए 2000 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ केंद्रीय क्षेत्र योजना 'राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम को अनुदान सहायता' की मंजूरी दी है। केंद्रीय सूचना व प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कैबिनेट के इस फैसले की जानकारी दी है। सरकार की ओर से बताया गया है कि वर्ष 2025-26 से 2028-29 तक 4 वर्षों की अवधि के लिए अनुदान सहायता पर 2000 करोड़ रुपये का परिव्यय किया जाएगा। एनसीडीसी चार वर्षों की अवधि में खुले बाजार से 20,000 करोड़ रुपये जुटा सकेगी। एनसीडीसी की ओर से नई परियोजनाओं की स्थापना/संयंत्रों के विस्तार, सहकारी समितियों को ऋण देने और कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए ऋण देने हेतु निधियों का उपयोग किया जाएगा। सरकार ने बताया है कि इस कदम से देश भर में डेयरी, पशुधन, मत्स्य पालन, चीनी, कपड़ा, खाद्य प्रसंस्करण, भंडारण और कोल्ड स्टोरेज जैसे विभिन्न क्षेत्रों की 13,288 सहकारी समितियों के 2.9 करोड़ सदस्यों; श्रम और महिलाओं के नेतृत्व वाली सहकारी समितियों को लाभ मिलेगा। वैष्णव ने बताया कि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने गुरुवार को राष्ट्रीय

सहकारी विकास निगम (एनसीडीसी) को चार वर्षों के लिए 2,000 करोड़ रुपये की अनुदान सहायता को मंजूरी दी है। इस कदम से संगठन को ऋण देने के लिए अधिक धन जुटाने में मदद मिलेगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति की बैठक में इस संबंध में निर्णय लिया गया। सूचना व प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने संवाददाताओं को बताया, एक अच्छे वित्तीय मॉडल को और अधिक समर्थन देने के लिए, मंत्रिमंडल ने एनसीडीसी के लिए चार वर्षों के लिए 2,000 करोड़ रुपये की पूंजी अनुदान सहायता को मंजूरी दी। एनसीडीसी 8.25 लाख से अधिक सहकारी समितियों को ऋण देता है, जिनके 29 करोड़ सदस्य हैं। कुल सदस्यों में से 94 प्रतिशत किसान हैं। मंत्री ने कहा कि इस वित्तीय सहायता से एनसीडीसी आगे ऋण देने के लिए 20,000 करोड़ रुपये अतिरिक्त जुटाने में सक्षम हो सकेगी। उन्होंने कहा कि वर्तमान में एनसीडीसी की ऋण वसूली दर 99.8 प्रतिशत है और एनपीए शून्य है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कैबिनेट ब्रीफिंग को संबोधित करते हुए इटारसी-नागपुर के बीच चौथी रेलवे लाइन की भी जानकारी दी।

संक्षिप्त समाचार

नौकरी दिलाने का झांसा देकर साढ़े 20 लाख की ठगी

रायपुर। छात्रावास अधीक्षक के पद पर नौकरी लगाने का झांसा देकर 20 लाख 50 हजार की ठगी करने का मामला प्रकाश में आया है। प्रार्थी की शिकायत पर टिकरापारा पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी का अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी जनक कुमार साहू 27 वर्ष भाठागांव पुरानी बस्ती का रहने वाला है। प्रार्थी ने थाना में शिकायत किया कि आरोपी डेविड तिग्गा 51 वर्ष ने प्रार्थी को शासकीय छात्रावास अधीक्षक के पद पर नौकरी लगाने का झांसा देकर 20 लाख 50 हजार रुपए ठग लिए। प्रार्थी की शिकायत पर टिकरापारा पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी का अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

बाइक की टक्कर से बुजुर्ग की मौत

रायपुर। तेज रफ्तार बाइक सवार ने एक बुजुर्ग को टक्कर मार दिया। जिससे उसकी मौत हो गई। मामले में आरंग पुलिस ने बाइक चालक के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार मृतक रामबिहावन भारती 74 वर्ष आरंग का रहने वाला था। बताया जाता है कि रामबिहावन सड़क किनारे खड़ा था, तभी बाइक क्रमांक सीजी 04 क्यूडी 8270 के चालक ने लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए रामबिहावन को टक्कर मार दिया। जिससे उसकी मौत हो गई।

हास्टल से लपेटाप व मोबाइल पार

रायपुर। पंडरी स्थित संध्या ब्वाय हास्टल से अज्ञात चोर ने 2 नग लेपटाप और 4 नग मोबाइल पार कर दिया। प्रार्थी की शिकायत पर सिविल लाइन पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी शिवनाथ सिन्हा 25 वर्ष जनता क्वाटर सेक्टर 1 शंकरनगर का रहने वाला है। प्रार्थी ने थाना में शिकायत किया कि पंडरी स्थित संध्या रेसीडेसी ब्वाय हास्टल से अज्ञात चोर ने 2 नग लेपटाप व 4 नग मोबाइल पार कर दिया। चोरी गए जुमला कीमती करीब 98 हजार रुपए के आसपास बताई जा रही है। प्रार्थी की शिकायत पर सिविल लाइन पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

टाटा एस वाहन में रखे रुपयों से भरा बैग पार

रायपुर। टाटा एस वाहन में रखे रूपयों से भरे बैग को अज्ञात चोर ने पार कर दिया। प्रार्थी की शिकायत पर माना पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी मनोज कुमार दीवान 42 वर्ष ग्राम कुरूद का रहने वाला है। प्रार्थी ने थाना में शिकायत किया कि वह अपने टाटा एस क्रमांक सीजी 04 एलव्ही 6490 के कंडक्टर सीट में एक बैग रखा था, जिसमें 2 लाख 70 हजार रुपए था। जिसे अज्ञात चोर ने पार कर दिया।

ज्यादा मुनाफा कमाने का झांसा देकर 17 लाख की ठगी

रायपुर। शेयर मार्केट में अधिक मुनाफा कमाने का झांसा देकर 17 लाख से अधिक की ठगी करने का मामला प्रकाश में आया है। प्रार्थी की शिकायत पर टिकरापारा पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी का अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी सूरज कुमार घोष 42 वर्ष आदर्श नगर मठपारा का रहने वाला है। बताया जाता है कि प्रार्थी के पास अज्ञात मोबाइल नंबर 84015-20396 से कॉल आया।

अब हर माह होगी समीक्षा बैठक, कार्यों की प्रगति पर रहेगी कड़ी निगरानी

जल जीवन मिशन के 9 ठेकेदार के टेंडर निरस्त कर दिया गया

■ कार्यों में लेट-लतीफी को लेकर कलेक्टर श्री चतुर्वेदी ने ठेकेदारों को ब्लैकलिस्ट करने के निर्देश दिए

रायपुर/ संवाददाता

जल जीवन मिशन के अंतर्गत चल रहे कार्यों की समीक्षा हेतु आयोजित बैठक में कलेक्टर श्री मयंक चतुर्वेदी ने कार्य में लापरवाही और धीमी प्रगति पर विभागीय अधिकारियों एवं कार्यरत ठेकेदारों पर कड़ी नाराजगी जताई। उन्होंने 9 ठेकेदारों के टेंडर निरस्त कर ब्लैकलिस्ट करने के निर्देश दिए तथा कहा कि जल जीवन मिशन में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आयोजित इस समीक्षा बैठक में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अधिकारी, सीईओ जिला पंचायत श्री जितेन्द्र यादव, सहायक कलेक्टर श्री अक्षय डोसी सहित जिले के समस्त एसडीओ, सब इंजीनियर्स एवं ठेकेदार उपस्थित थे। बैठक में जल जीवन मिशन के तहत निर्माणाधीन परियोजनाओं की अद्यतन स्थिति की समीक्षा की गई। कलेक्टर श्री चतुर्वेदी ने कहा कि मिशन मोड में संचालित इस योजना के तहत सभी ठेकेदार अपने कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करें। प्रत्येक माह कार्यों की प्रगति की समीक्षा बैठक आयोजित की जाएगी तथा भौतिक सत्यापन के आधार पर वास्तविक प्रगति का मूल्यांकन किया जाएगा। जहां कार्य अपूर्ण या धीमी गति से पाए जाएंगे, वहां अनुबंध की शर्तों के अनुसार आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि जिन ठेकेदारों ने कार्य अधूरा छोड़ दिया है या जिनकी प्रगति अत्यंत धीमी है, उनके

टेंडर तत्काल निरस्त कर ब्लैकलिस्ट करने की कार्रवाई की जाए। समीक्षा बैठक में 9 ठेकेदारों के विरुद्ध टेंडर निरस्तीकरण एवं ब्लैकलिस्टेड के निर्देश दिए गए, जिनमें मे. गुप्ता ट्रेडिंग कंपनी, मे. जितेश्वर साहू, मे. अजय सेल्स, मे. मुकुल मन्नत कंस्ट्रक्शन, मे. आशीष ट्रेडर्स एंड कंस्ट्रक्शन, रायगढ़, श्री दुर्गेश चंद्रा, मे. हरिकृष्णा कंस्ट्रक्शन, मे. हीरादेवी, जांजगीर-चांपा, मे. के.पी. राठौर, जांजगीर-चांपा शामिल है। कलेक्टर श्री चतुर्वेदी ने कहा कि जो कार्य पूर्ण हो चुके हैं उन्हें तत्काल हैंडओवर किया जाए। उन्होंने कहा कि सीईओ जनपद एवं विभागीय अधिकारियों की संयुक्त टीम द्वारा स्थलों का भौतिक सत्यापन कर, निर्धारित मापदंडों के अनुसार कार्य पूर्ण पाए जाने पर पंचायतों को हैंडओवर की प्रक्रिया शीघ्र सुनिश्चित की जाए। बैठक में फील्ड में आ रही समस्याओं पर भी विस्तृत चर्चा की गई। कुछ स्थलों पर जल स्रोत की अनुपलब्धता के मद्देनज़र कलेक्टर ने विभाग को बोर खनन के माध्यम से जल स्रोत सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। सोलर विलेज योजनाओं में क्रेडा द्वारा किए जाने वाले कार्यों को शीघ्र पूर्ण कर फंक्शनल नल कनेक्शन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने कहा कि एक ही स्थान पर सिंगल और मल्टी विलेज स्कीम के तहत पाइपलाइन बिछाने के लिए दो बार खुदाई की आवश्यकता न पड़े, इसके लिए दोनों योजनाओं के ठेकेदार समन्वय कर एक बार में कार्य पूर्ण करें। कलेक्टर श्री चतुर्वेदी ने कहा कि जल जीवन मिशन प्रदेश एवं केंद्र सरकार की महत्वपूर्ण प्राथमिकता वाली योजना है, जिसमें सभी संबंधितों की जवाबदेही तय की जाएगी। कार्यों की गति, गुणवत्ता और प्रभावी क्रियान्वयन शासन की प्राथमिकता है, इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

बादल छाए रहेंगे, मानसून की गतिविधियां कम होगी

रायपुर। मौसम विभाग के अनुसार एक निम्नदाब का क्षेत्र उत्तरी छत्तीसगढ़ में सक्रिय है, जिसके कारण फिलहात बादल छाए हुए हैं, लेकिन मानसून की गतिविधियां कमजोर पड़ जाएगी। मौसम विभाग के प्रमुख डॉ. चन्द्रा से मिली जानकारी के अनुसार पिछले दो दिनों से अच्छी वर्षा हो रही थी। बीते रात भी अच्छी वर्षा हुई है। मौसम विभाग का दावा है कि मानसून की गतिविधियां दो दिन बाद कमजोर पड़ जाएगी। इस समय रायपुर संभाग 131 तथा अन्य संभाग में भी अच्छी वर्षा हुई, जिसके कारण धान की रोपाई एवं बियासी का काम युद्ध स्तर पर चल रहा है। किसान खाद लेने के लिए सहकारी समितियों का चक्कर काट रहे हैं। मौसम विभाग के वैज्ञानिक ने बताया कि एक द्रोणिका उत्तर पूर्व अरब सागर से दक्षिण बांग्लादेश तक गुजरात, उत्तर पश्चिम मध्य प्रदेश के ऊपर स्थित निम्न दाब के केंद्र, झारखंड और उससे लगे उत्तरी छत्तीसगढ़, और गंगेटिक पश्चिम बंगाल होते हुए 3.1 किलोमीटर ऊंचाई पर स्थित है। मौसम विभाग ने बताया कि मानसून द्रोणिका माध्य समुद्र तल पर श्रीगंगानगर, दिल्ली, उत्तर पश्चिम मध्य प्रदेश के ऊपर स्थित निम्न दाब के केंद्र, सतना, डाल्टनगंज, जमशेदपुर, दीघा और उसके बाद पूर्व दक्षिण पूर्व की ओर उत्तर पूर्व बंगाल की खाड़ी तक स्थित है। एक ऊपरी हवा का चक्रीय चक्रवाती परिसंचरण गंगेटिक पश्चिम बंगाल और उसके आसपास 5.8 किलोमीटर से 7.6 किलोमीटर ऊंचाई तक विस्तारित है। प्रदेश में 30 जुलाई को अनेक स्थानों पर हल्के से मध्यम वर्षा होने अथवा गरज चमक के साथ छींटे पड़ने की संभावना है।

नवा रायपुर में स्थापित होगी अत्याधुनिक क्रिकेट एकेडमी-मुख्यमंत्री विष्णुदेव.......

■ मंत्रिमण्डल ने दी स्टेट क्रिकेट संघ को 7.96 एकड़ भूमि

■ मुख्यमंत्री श्री साय की विशेष पहल पर नियमों को शिथिल कर लिया गया निर्णय

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की मंशा के अनुरूप राज्य के उभरते क्रिकेट खिलाड़ियों के प्रशिक्षण एवं विकास को बढ़ावा देने के लिए एक बड़ा कदम उठाया गया है। मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में

आज यहां मंत्रालय महानदी भवन में आयोजित कैबिनेट की बैठक में छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ को नवा रायपुर अटल नगर के सेक्टर-3, ग्राम-परसदा में 7.96 एकड़ भूमि क्रिकेट एकेडमी की स्थापना हेतु आबंटित करने का निर्णय लिया गया है। यहां यह उल्लेखनीय है कि सरकारी व्ययन नियमों के तहत, गैर-लाभकारी संस्थाओं को सीधे भूमि आवंटन का प्रावधान नहीं है, लेकिन इस विशेष मामले में राज्य शासन ने नियमों को शिथिल कर यह निर्णय लिया है, जिससे खिलाड़ियों के हित में क्रिकेट एकेडमी की स्थापना हो सके। गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ को 2016 में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) से पूर्णकालिक मान्यता प्राप्त है। इसके लिए नगर विकास प्राधिकरण ने कुल 7.96 एकड़ भूमि चिन्हित की है। छत्तीसगढ़ राज्य में क्रिकेट के क्षेत्र में अपार संभावनाएँ हैं। प्रदेश के कई खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा दिखा चुके हैं। नवा रायपुर में शहीद वीर नारायण सिंह अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम मौजूद है, परंतु अंतरराष्ट्रीय स्तर की सुविधाओं और प्रशिक्षण के लिए एकेडमी की जरूरत महसूस की जा रही थी। इस निर्णय से प्रदेश के प्रतिभाशाली युवाओं को क्रिकेट में आगे बढ़ने के बेहतरीन अवसर मिलेंगे।

सरगुजा संभाग से 850 श्रद्धालओं का जत्था अयोध्या धाम रवाना

■ दोपहर 2 बजे विशेष ट्रेन को अंबिकापुर विधायक श्री राजेश अग्रवाल ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया

■ अब तक हजारों श्रद्धालु इस योजना के माध्यम से अयोध्या धाम की यात्रा कर चुके हैं

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की महत्वाकांक्षी योजना श्री रामलला दर्शन योजना के तहत सरगुजा संभाग से सातवीं यात्रा पर 850 श्रद्धालुओं का जत्था बुधवार को अंबिकापुर रेलवे स्टेशन से अयोध्या धाम के लिए रवाना हुआ। दोपहर 2 बजे विशेष ट्रेन को अंबिकापुर विधायक श्री राजेश अग्रवाल ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं को मंगलमय एवं सुखद यात्रा की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती निरुपा सिंह, नगर निगम की महापौर श्रीमती मंजूषा भगत, सभापति श्री हरमिन्दर सिंह टिन्नी, जिला प्रशासन के अधिकारीगण और अन्य जनप्रतिनिधि भी उपस्थित रहे। अयोध्या धाम की इस पावन यात्रा को लेकर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखा गया। उन्होंने इस यात्रा की उत्तम व्यवस्था और नि:शुल्क सुविधा के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय का आभार व्यक्त किया। समाज कल्याण विभाग के उप संचालक श्री व्ही. के. उईके ने जानकारी दी कि इस चरण की यात्रा में सरगुजा जिले से 170, जशपुर से 204, बलरामपुर-रामानुजगंज से 164, सुरजपुर से 147, कोरिया से 108 और मनेन्द्रगढ़- चिरमिरी- भरतपुर से 57 श्रद्धालु शामिल हुए हैं। उल्लेखनीय है कि श्री रामलला दर्शन योजना के अंतर्गत शासन द्वारा श्रद्धालुओं को अयोध्या धाम की यात्रा के लिए नि:शुल्क ट्रेन सुविधा, भोजन, आवास तथा अन्य सभी आवश्यक व्यवस्थाएं प्रदान की जा रही हैं। यह योजना मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की जनकल्याणकारी पहल है, जिसके माध्यम से प्रदेशवासियों को जीवन में एक बार भगवान श्रीराम लला के दर्शन का सौभाग्य प्राप्त हो रहा है। अब तक हजारों श्रद्धालु इस योजना के माध्यम से अयोध्या धाम की यात्रा कर चुके हैं और यह सिलसिला सतत जारी है।

रमन सिंह संवैधानिक मर्यादा लांघ कर राजनैतिक बयानबाज़ी कर रहे

■ क्या सरकार को हाईजैक करना चाहते हैं विधानसभा अध्यक्ष या असल में सरकार वही चला रहे हैं?

रायपुर। संवाददाता

पहले कथित भ्रष्टाचार पर, फिर ईडी की दुर्भावना पूर्वक कार्रवाई का समर्थन और अब पीडीएस सिस्टम को लेकर विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह के राजनीतिक बयानों पर कड़ा प्रतिवाद करते हुए प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि विधानसभा अध्यक्ष के लिए इस तरह से पूर्वाग्रह से ग्रसित होकर, दुर्भावना पूर्वक, राजनीतिक बयानबाजी करना ना उचित है, ना ही संवैधानिक। विधानसभा अध्यक्ष का पद सदन की कार्यवाही का संचालन करने और सदस्यों के बीच निष्पक्षता बनाए रखने के लिए होता है, लेकिन जिस तरह से बयान विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह के आ रहे हैं, उससे उनकी तटस्थता और निष्पक्षता पर सवाल स्वाभाविक है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि विधानसभा अध्यक्ष एक संवैधानिक पद है, सदन की गरिमा को बनाए रखने के लिए विधानसभा अध्यक्ष को स्तरहीन राजनीतिक बयानबाजी से बचना चाहिए। भूमिका बदलने से व्यवहार और बर्ताव में भी बदलाव आवश्यक है, लेकिन शायद रमन सिंह जी अभी भी स्वयं को मुख्यमंत्री ही मानते हैं, या साय को बर्दाश्त नहीं कर पा रहे है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि पूर्व मुख्यमंत्री और वर्तमान विधानसभा अध्यक्ष के लगातार आ रहे राजनीतिक बयानों से जनता में यह सवाल उठने लगे हैं ।

अतिथि प्राध्यापकों को वेतन देने का जारी किया आदेश

■ तीन हजार अतिथि प्राध्यापक एवं 2500 प्रयोगशाला सहायक होंगे लाभान्वित

रायपुर/ संवाददाता

राज्य शासन के वित्त विभाग द्वारा उच्च शिक्षा संचालनालय के अंतर्गत कार्य करने वाले अतिथि प्राध्यापक, प्रयोग शाला सहायक को वर्ष 2025-26 के लिए वेतनमान देने के लिए स्वीकृति प्रदान कर दी है। मिली जानकारी के अनुसार राज्य के अंतर्गत करीब 400 से अधिक महाविद्यालयों में तीन हजार से अधिक अतिथि प्राध्यापक कार्यरत है, जिनके कार्यकाल मई में समाप्त हो जाता है, फिर से उन्हें काम पर लिया जाता है। इन अतिथि प्राध्यापकों को वेतनमान नहीं मिलने से वे परेशान थे। अतिरिक्त संचालक उच्च शिक्षा जगत के अनुसार राज्य में शैक्षणिक सत्र के अनुसार अतिथि प्राध्यापकों को रखा जाता है, उन्हें पर क्लास के अनुसार पैसा दिया जाता है, लेकिन अलग-अलग महाविद्यालय में शैक्षणिक सत्र अलग-अलग माह में शुरू होते हैं। इसलिए अतिथि प्राध्यापकों का कार्यकाल 10 या 9 माह का होता है। जिसके हिसाब से उनका वेतनमान दिया जाता है। उन्होंने बताया कि वेतनमान देने के लिए वित्त विभाग से अनुमति लेना होता है। यह अनुमति 24 जून 2025 को जारी कर दिया गया है। इसे संयुक्त संचालक एवं प्राध्यापकों को भेज दिया गया है।

कृषि और आदिवासी विकास को लेकर मंत्री रामविचार नेताम ने कांकेर में तीन जिलों के अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली

छात्रावासों के बच्चों का भविष्य संवारना हम सबकी जिम्मेदारी

■ किसानों को जैविक खेती, कोदो-कुटकी और उन्नत कृषि के लिए जागरूक करें : कृषि मंत्री श्री नेताम

रायपुर/ संवाददाता

प्रदेश के कृषि, किसान कल्याण एवं जैव प्रौद्योगिकी तथा आदिम जाति, अनुसूचित जाति, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक विकास मंत्री श्री रामविचार नेताम ने आज जिला कार्यालय कांकेर के सभागार में कांकेर, बालोद और धमतरी जिलों के कृषि एवं आदिवासी विकास विभाग के अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली। बैठक में विभागीय योजनाओं के क्रियान्वयन की प्रगति, खाद-बीज वितरण एवं किसानों को दी जा रही सुविधाओं की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में कांकेर विधायक श्री आशाराम नेताम, मछुआ कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष श्री भरत मटियारा भी मौजूद थे। कृषि मंत्री श्री नेताम ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि किसानों को जैविक खेती, कोदो-कुटकी जैसी पारंपरिक एवं लाभकारी फसलों के लिए प्रेरित करें तथा उन्नत कृषि तकनीक के प्रचार-प्रसार के लिए व्यापक अभियान चलाएं। उन्होंने कहा कि खाद एवं बीज का समय पर वितरण सुनिश्चित करते हुए योजनाओं का लाभ पारदर्शिता से अंतिम छोर के किसान तक पहुंचे, यह शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने मृदा की सेहत को संरक्षित रखने हेतु रासायनिक उर्वरकों के सीमित उपयोग और जैविक खादों के उपयोग के प्रति किसानों को जागरूक करने पर जोर दिया। उद्यानिकी के क्षेत्र में मुनगा, ऑयल पाम, मसाला फसलें और कोदो-कुटकी जैसी फसलों के माध्यम से युवाओं को रोजगार से जोड़ने तथा तकनीकी प्रशिक्षण प्रदान करने हेतु भी उन्होंने निर्देश दिए। बैठक में संचालक कृषि एवं प्रबंध संचालक, राज्य बीज एवं कृषि विकास निगम श्री अजय कुमार अग्रवाल द्वारा तीनों जिलों में बीज एवं खाद की उपलब्धता, भंडारण और वितरण की स्थिति की जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि कांकेर जिले में 38,869.35 क्विंटल धान बीज में से 34,756.60 क्विंटल का वितरण हो चुका है। यूरिया खाद 25,568.13 मीट्रिक टन में से 20,525.87 मीट्रिक टन वितरित किया गया है। डीएपी खाद 7,024.15 मीट्रिक टन में से 6,002.05 मीट्रिक टन तथा एनपीके 9,129.55 मीट्रिक टन में से 7,216.73 मीट्रिक टन वितरित किया गया है। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना अंतर्गत वर्ष 2024-25 में कांकेर जिले के 75,559 कृषक बीमित हैं, जबकि वर्ष 2025-26 में 17,575 कृषकों का बीमा किया गया है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना अंतर्गत जिले के 82,395 कृषक लाभान्वित हुए हैं। बैठक में आदिवासी विकास विभाग की समीक्षा करते हुए मंत्री श्री नेताम ने कहा कि आश्रम-छात्रावासों में निवासरत बच्चों का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित करना विभागीय अधिकारियों की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने सहायक आयुक्तों को निर्देशित किया कि वे नियमित रूप से छात्रावासों का आकस्मिक निरीक्षण करें और प्रतिवेदन कलेक्टर को दें। मंत्री ने छात्रावासों में स्वच्छता, बिजली, पेयजल, शौचालय, सुरक्षा जैसी बुनियादी जरूरतों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। छात्रावासों में पौधरोपण भी कराए जाने के निर्देश दिए। आदिवासी विकास विभाग के आयुक्त डॉ. सारांश मित्तर ने भी अधिकारियों को निर्माण कार्यों की शीघ्र पूर्णता और शासन की राशि के सदुपयोग पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने आश्रमों की बुनियादी आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु सतत् निगरानी रखने का निर्देश दिया।

चरौदा से जोगीडीपा मार्ग की मरम्मत शुरू — वर्षों पुरानी मांग पर टूटी खामोशी, ग्रामीणों ने ली राहत की सांस

फिंगेश्वर/गरियाबंद (गंगा प्रकाश)। फिंगेश्वर विकासखंड के ग्रामीण अंचल में बुनियादी सुविधाओं की वर्षों से प्रतीक्षा कर रहे लोगों के लिए आखिरकार एक सुखद खबर आई है। जिला पंचायत क्षेत्र क्रमांक-3 के अंतर्गत आने वाले चरौदा से जोगीडीपा मुख्य मार्ग की मरम्मत कार्य की शुरुआत हो चुकी है। क्षेत्रवासियों ने इस पहल पर जिला पंचायत सदस्य इंद्रजीत महाड़िक का आभार जताया है, जिन्होंने न सिर्फ इस मुद्दे को संजीदगी से उठाया, बल्कि धरातल पर उसे अमल में भी लाया।

हर रोज़ का था हादसों से सामना

चरौदा-जोगीडीपा मार्ग की हालत लंबे समय से बदहाल थी। गड्ढों और कीचड़ से लथपथ यह सड़क बारिश के दिनों में एक दलदल में तब्दील हो जाती थी। राहगीरों को जान जोखिम में डालकर सफर करना पड़ता था। स्कूल जाने वाले बच्चों की स्थिति और भी दयनीय थी—गंदे पानी के छींटों से कपड़े खराब होना, गिरकर चोट लगना और स्कूल पहुंचने में देरी एक आम समस्या बन गई थी। यही नहीं, गर्भवती महिलाएं, बीमार मरीज और बुजुर्ग भी इस टूटी सड़क से होकर गुजरते समय असहाय महसूस करते थे।

युवाओं ने उठाई आवाज़, इंद्रजीत महाड़िक बने उम्मीद की किरण

स्थानीय युवाओं और जागरूक ग्रामीणों ने अपनी समस्याओं को लेकर जब जिला पंचायत सदस्य इंद्रजीत महाड़िक से संपर्क किया, तो उन्होंने न सिर्फ संवेदनशीलता दिखाई, बल्कि तुरंत मौके का निरीक्षण भी किया। इसके बाद इंद्रजीत महाड़िक ने जिला पंचायत की बैठक में इस मुद्दे को प्रमुखता से उठाया और ठोस समाधान की मांग की।

उनके प्रयासों के फलस्वरूप लोक निर्माण विभाग राजिम ने सड़क मरम्मत की मंजूरी दी और अब बजरी-गिट्टी डालने का कार्य युद्ध स्तर पर चल रहा है। सड़क निर्माण कार्य को लेकर ग्रामीणों में उत्साह है और एक नई उम्मीद जगी है कि अब उनके सफर की राह आसान होगी।

विकास की ओर रहेगा हर कदम — इंद्रजीत महाड़िक

इस मुद्दे पर प्रतिक्रिया देते हुए जिला पंचायत सदस्य इंद्रजीत महाड़िक ने कहा— क्षेत्र के विकास की जिम्मेदारी मैंने स्वयं ली है। लोगों ने मुझ पर भरोसा जताया है और मेरा हर कदम विकास की दिशा में ही रहेगा। जब ग्रामीणों ने मुझसे संपर्क किया, तो मैं खुद मौके पर गया और सड़क की दुर्दशा देखी। मैंने जिला पंचायत सभाकक्ष में इस मुद्दे को पूरी गंभीरता से रखा और अब मुझे खुशी है कि उस दिशा में कार्य शुरू हो चुका है।

उन्होंने आगे कहा कि बारिश के समय में इस सड़क की स्थिति दुर्घटना को आमंत्रण दे रही थी, लेकिन अब ग्रामीणों और स्कूली बच्चों को राहत मिलेगी। इंद्रजीत ने लोक निर्माण विभाग का आभार व्यक्त करते हुए आश्वासन दिया कि क्षेत्र की अन्य जर्जर सड़कों की मरम्मत भी जल्द शुरू होगी।

ग्रामीणों में खुशी की लहर, भविष्य की उम्मीदें

चरौदा-जोगीडीपा मार्ग पर मरम्मत कार्य शुरू होने की खबर से इलाके में खुशी की लहर है। बुजुर्गों से लेकर युवाओं तक सभी ने इंद्रजीत महाड़िक के प्रयासों की सराहना की है। गांव के शिक्षकों और अभिभावकों ने भी राहत की सांस ली है कि अब उनके बच्चों को कीचड़ और गड्ढों से जूझकर स्कूल नहीं जाना पड़ेगा।

बदलाव की बयार

चरौदा-जोगीडीपा सड़क मरम्मत का कार्य महज़ एक इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट नहीं, बल्कि एक सकारात्मक सोच और जिम्मेदार नेतृत्व की मिसाल है। यह उदाहरण बताता है कि यदि जनप्रतिनिधि ईमानदारी से पहल करें तो ग्रामीण भारत की तस्वीर बदली जा सकती है।

अब देखने वाली बात यह होगी कि अन्य वायदे कितनी जल्दी हकीकत में बदलते हैं और क्या क्षेत्र में विकास की यह बयार लंबे समय तक बहती रहेगी।

गरियाबंद से रायपुर तक सम्मान का सफर — अपर कलेक्टर अरविन्द पाण्डेय को दी गई भावभीनी विदाई, कलेक्टर-एसपी समेत प्रशासन भावुक

गरियाबंद (गंगा प्रकाश)। गरियाबंद जिला प्रशासन में अपनी निष्ठा, विनम्रता और प्रशासनिक दक्षता से गहरी छाप छोड़ने वाले अपर कलेक्टर अरविन्द पाण्डेय को आज एक गरिमामय और भावनात्मक समारोह में विदाई दी गई। श्री पाण्डेय का स्थानांतरण रायपुर विकास प्राधिकरण में अपर मुख्य कार्यपालन अधिकारी के रूप में हुआ है, जिस पर जिले के प्रशासनिक गलियारों में उनके योगदान की प्रशंसा के साथ विदाई की गई।

कलेक्टोरेट सभाकक्ष में गुरुवार शाम आयोजित स्नेह मिलन समारोह में कलेक्टर बी.एस. उइके, पुलिस अधीक्षक निखिल राखेचा सहित जिले के सभी प्रमुख अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। विदाई के इस पल को और भी खास बनाते हुए, श्री पाण्डेय को जिला प्रशासन की ओर से शॉल, श्रीफल, पुष्पगुच्छ एवं स्मृति चिन्ह भेंट किया गया।

कलेक्टर उइके ने कहा: श्री पाण्डेय का प्रशासनिक अनुभव जिले के लिए अमूल्य रहा। वे न केवल जटिल मुद्दों का समाधान तत्परता से करते थे, बल्कि अधीनस्थ अधिकारियों को भी मार्गदर्शन देते रहे। उनके जैसे अधिकारी प्रशासन को मजबूती देते हैं। एसपी राखेचा ने सराहा: श्री पाण्डेय ने कानून-व्यवस्था जैसे संवेदनशील विषयों को गंभीरता और संवेदनशीलता से संभाला। उनका शांत और संतुलित दृष्टिकोण प्रशासनिक चुनौतियों में बेहद प्रभावशाली रहा।

खुद अरविन्द पाण्डेय ने कहा: मैंने हमेशा वरिष्ठों का सम्मान और अधीनस्थों के प्रति सहयोग की भावना के साथ कार्य किया। मैं सभी अधिकारियों और कर्मचारियों से यही कहूंगा कि वे निडर होकर नियमों के अनुरूप कार्य करें और सदैव समर्पित रहें।

सम्मान समारोह में दिखा आत्मीय जुड़ाव- समारोह में नवीन भगत, पंकज डाहिरे, एनआईसी उप निदेशक नेहरू निराला, जनसंपर्क अधिकारी हेमनाथ सिदार, डिप्टी कलेक्टर अंजली खलखो और नेहा भेड़िया, अंत्यावसायी के सीईओ रश्मि गुप्ता, पीडब्ल्यूडी ईई रामेश्वर सिंह, पशु चिकित्सा सेवाएं उप संचालक डॉ. ओपी तिवारी, मत्स्य पालन विभाग के सहायक संचालक आलोक वशिष्ट, ग्रामोद्योग महाप्रबंधक दीनबंधु ध्रुव, कार्यालय अधीक्षक सुदामा ठाकुर सहित बड़ी संख्या में अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

एक प्रशासनिक अध्याय का समापन और नए अध्याय की शुरुआत...

श्री पाण्डेय की गरियाबंद में कार्यशैली, सहज व्यवहार और त्वरित निर्णय क्षमता की चर्चा न केवल अधिकारियों के बीच रही, बल्कि आम जनता के बीच भी वे एक भरोसेमंद प्रशासनिक चेहरा बन चुके थे। अब रायपुर विकास प्राधिकरण में उनके अनुभवों से राजधानी को लाभ मिलेगा।

किसानों को भरपूर मिल रही खाद, कांग्रेस फैला रही भ्रम — नंदनी ओंकार साहू का तीखा हमला

फिंगेश्वर/गरियाबंद (गंगा प्रकाश)। छत्तीसगढ़ की राजनीति में किसानों को लेकर बयानबाज़ी तेज़ हो गई है। महिला एवं बाल विकास सभापति और जिला पंचायत गरियाबंद की प्रभावशाली नेता श्रीमती नंदनी ओंकार साहू ने कांग्रेस पर करारा हमला बोलते हुए कहा है कि कांग्रेस पार्टी किसानों को खाद-बीज के नाम पर झूठे व भ्रामक प्रचार के सहारे गुमराह करने का प्रयास कर रही है। फिंगेश्वर में आयोजित एक पत्रकार वार्ता में श्रीमती साहू ने कहा,- मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश की भाजपा सरकार पूरी तरह संकल्पित और प्रतिबद्ध है कि राज्य का अन्नदाता किसान किसी भी प्रकार की खाद-बीज की किल्लत से न जूझे। किसान सेवा सहकारी समितियों में पर्याप्त मात्रा में उर्वरक उपलब्ध कराए गए हैं और किसान नियमित रूप से वहां से खाद-बीज क्रय भी कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि सरकार की सक्रिय निगरानी और संवेदनशील प्रशासन के चलते यूरिया, डीएपी, सुपर फास्फेट, ग्रोमोर जैसे आवश्यक उर्वरक पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हैं, और इनका वितरण भी सुचारू व पारदर्शी रूप से किया जा रहा है।

किसानों में है उत्साह, कांग्रेस फैला रही डर का माहौल

नंदनी साहू ने कांग्रेस नेताओं पर 'राजनीतिक स्वार्थ' के लिए किसानों के बीच डर और असंतोष फैलाने का आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस का मकसद किसानों को भ्रमित कर राजनीतिक लाभ लेना है। उन्होंने कहा, - कांग्रेस के पास अब कोई मुद्दा नहीं बचा, इसलिए वह किसानों के नाम पर अफवाह फैलाकर सिर्फराजनीतिक रोटी सेंकना चाहती है। मगर किसान अब जागरूक हैं, और वे जानते हैं कि कौन उनका सच्चा हितैषी है।

शासन की योजनाएं बन रही हैं मददगार

उन्होंने यह भी दावा किया कि शासन की किसानहितैषी योजनाएं किसानों के लिए संजीवनी साबित हो रही हैं, जिससे किसानों में खेती-किसानी को लेकर नया उत्साह और आत्मविश्वास देखने को मिल रहा है। श्रीमती साहू ने किसानों से अपील की कि वे किसी भी तरह की अफवाहों से सावधान रहें और सरकारी समितियों से ही खाद-बीज की खरीदी करें, जिससे उन्हें सही दर और गुणवत्तापूर्ण उत्पाद प्राप्त हो सके।

राजनीतिक विश्लेषण

नंदनी ओंकार साहू का यह बयान ऐसे समय आया है जब प्रदेश में खाद-बीज को लेकर राजनीतिक बयानबाज़ी तेज़ है। कांग्रेस जहां सरकार पर खाद की कमी और वितरण में गड़बड़ी का आरोप लगा रही है, वहीं भाजपा नेता अपनी सरकार की उपलब्धियों को गिनाते हुए विपक्ष पर पलटवार कर रहे हैं।

खुटेरी सड़क बनी जानलेवा जाल – ट्रक फंसा, 6 किलोमीटर लंबा जाम, स्कूली बच्चे तक फंसे

पीएम सड़क योजना की सड़क पर जनता बेहाल, अधिकारी पल्ला झाड़ते, विधायक से भी किया था गुहार

फिंगेश्वर/खुटेरी, गरियाबंद (गंगा प्रकाश)। फिंगेश्वर विकासखंड में खस्ताहाल सड़कों की बदहाली एक बार फिर आम जनजीवन पर भारी पड़ी। बुधवार को कुण्डेल-खुटेरी-फिंगेश्वर मार्ग पर स्थित विशाल गड्ढे में एक धान लोडेड ट्रक धंस गया, जिससे दोनों ओर करीब 6 किलोमीटर लंबा जाम लग गया। जाम में स्कूली वाहन, एंबुलेंस, आमजन और मालवाहक ट्रक घंटों फंसे रहे। परेशान लोग पुलिस और प्रशासन की मदद का इंतज़ार करते रहे, लेकिन सहायता नहीं मिलने से गुस्सा और निराशा दोनों हावी रहा।

सड़क या दलदल? — दो साल से दुर्दशा, अब जान का खतरा- कुण्डेल भाठा धान संग्रहण केन्द्र से धान लोड कर जा रहा ट्रक जैसे ही खुटेरी के पास पुलिया पार करने लगा, पिछले पहिए विशाल गड्ढे में धंस गए। सड़क इतनी जर्जर है कि जेसीबी से भी ट्रक नहीं निकल पाया। यह कोई पहली घटना नहीं थी — इस मार्ग पर गड्ढों में ट्रक-बस के फंसने, टायर फटने, और मोटरसाइकिल चालकों के गिरने की घटनाएं अब आम हो गई हैं।

स्थानीय दुकानदारों और सरपंच बेनीशंकर साहू, रोशन साहू, रेखू साहू, गजेन्द्र निषाद आदि ने बताया कि लगभग दो वर्षों से यह सड़क लगातार खराब होती जा रही है। बार-बार शिकायत के बावजूद प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अफसर फंड का रोना रोकर अनदेखी करते आ रहे हैं।

शासन को भेजा प्राक्कलन, पर स्वीकृति अधर में- इस सड़क के सुधार के लिए विधायक से आग्रह किया गया था। मुख्य कार्यपालन अभियंता अभिषेक पाटकर ने कहा है कि इस मार्ग के मेंटेनेंस के लिए कोई फंड स्वीकृत नहीं है। प्राक्कलन शासन को भेजा गया है, स्वीकृति मिलने पर ही निर्माण हो पाएगा। तब तक जनता इसी जर्जर जानलेवा रास्ते पर चलने को मजबूर है।

स्कूली बच्चे घंटों रहे जाम में कैद- बुधवार को लगे जाम में कई स्कूल वाहन भी फंस गए, जिससे स्कूली बच्चों को घंटों जाम में बैठना पड़ा। गरमी और धूल में बेहाल बच्चे, अभिभावकों में चिंता और प्रशासन के प्रति आक्रोश साफ दिखाई दिया।

टू-लेन सड़क की मांग — भारी वाहनों का दबाव सह नहीं पा रही सड़क- क्षेत्रवासियों ने बताया कि कुण्डेल भाठा धान संग्रहण केन्द्र से रोजाना सैकड़ों भारी वाहन गुजरते हैं, जिससे यह सिंगल लेन सड़क जल्द ही खराब हो जाती है। जनता की मांग है कि इस मार्ग को टू-लेन बनाया जाए, ताकि हादसों और जाम से राहत मिल सके।

पुलिस और प्रशासन नदारद — जनता खुद निकाल रही समाधान- जब ट्रक फंसा और जाम लगा, तब प्रशासन या पुलिस की कोई टीम मौके पर नहीं पहुंची। सरपंच और ग्रामीणों ने जेसीबी मंगाकर खुद राहत कार्य की कोशिश की, लेकिन जब तक ट्रक निकला, तब तक घंटों की परेशानी और वाहन चालकों का गुस्सा आसमान छू गया।

सवाल उठते हैं — अगर ये सड़क प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत बनी थी, तो रखरखाव की जिम्मेदारी किसकी है?

अगर दो साल से सड़क खराब है, तो अब तक फंड स्वीकृत क्यों नहीं हुआ?

स्कूली बच्चों की सुरक्षा और भारी वाहनों की निर्बाध आवाजाही के लिए प्रशासन कोई वैकल्पिक व्यवस्था क्यों नहीं कर रहा?

अब जनता की मांग स्पष्ट है — 1. तत्काल मरम्मत कर सड़क को यातायात योग्य बनाया जाए।

2. धान संग्रहण केन्द्र के कारण भारी ट्रैफिक को देखते हुए टू-लेन सड़क स्वीकृत हो।

3. स्थानीय प्रशासन, विधायक और जिम्मेदार अधिकारी जनता को जवाब दें।

इस सड़क पर चलना जोखिम नहीं, मजबूरी है। अब देर और चुप्पी किसी बड़े हादसे को न्यौता दे सकती है।

गूंज उठा तालियों से सभा कक्ष, जब सेवानिवृत्त हुए सहा. उपनिरीक्षक भूखन लाल कुर्रे – गरियाबंद पुलिस परिवार ने दी ससम्मान विदाई

गरियाबंद (गंगा प्रकाश)। पुलिस अधीक्षक कार्यालय, गरियाबंद का सभा कक्ष आज दोपहर तालियों की गूंज और भावनाओं की रुलाई से भर उठा, जब गरियाबंद पुलिस परिवार ने अपने वरिष्ठ एवं निष्ठावान अधिकारी सहायक उप निरीक्षक भूखन लाल कुर्रे को उनकी सेवानिवृत्ति पर पूरे सम्मान के साथ विदाई दी। यह अवसर सिर्फएक औपचारिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि उस समर्पण, सच्चाई और सेवाभाव का सम्मान था, जो कुर्रे जी ने पिछले चार दशकों में पुलिस विभाग को समर्पित किया।

कार्यक्रम की गरिमा उस समय और बढ़ गई, जब अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जितेन्द्र चंद्राकर, उप पुलिस अधीक्षक गरिमा दादर, उप पुलिस अधीक्षक गोपाल वैश्य एवं रक्षित निरीक्षक सनत कुमार ठाकुर समेत दर्जनों पुलिस अधिकारी और जवानों ने एक स्वर में भूखन लाल कुर्रे के योगदान की सराहना की और उन्हें वर्षों की सेवाओं के लिए धन्यवाद दिया।

इस विदाई समारोह में गरियाबंद पुलिस परिवार की ओर से उन्हें साल, श्रीफल, और प्रतीक चिन्ह भेंट कर उनकी सेवाओं को सलाम किया गया।

भूखन लाल कुर्रे : एक प्रेरणास्रोत यात्रा- ग्राम भटगांव, थाना बिलाईगढ़, जिला सारंगढ़-बिलाईगढ़ निवासी भूखन लाल कुर्रे ने वर्ष 1984 में जिला रायपुर में आरक्षक के पद से पुलिस सेवा की शुरुआत की थी। निरंतर मेहनत, ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठता के बल पर वे सन् 2006 में प्रधान आरक्षक और वर्ष 2013 में सहायक उप निरीक्षक पद पर पदोन्नत हुए। उनका कार्यकाल गरियाबंद जिले के विभिन्न थानों एवं पुलिस लाइन में बीता, जहाँ उन्होंने अपनी कार्यशैली से न केवल अपराध नियंत्रण में भूमिका निभाई बल्कि आम जनमानस का विश्वास भी जीता।

24 अगस्त 2010 से 31 जुलाई 2025 तक गरियाबंद जिले में उन्होंने जो सेवाएं दीं, वो आज भी सहकर्मियों के लिए अनुकरणीय हैं। उन्हें न केवल उनके कर्तव्यबोध के लिए जाना जाता है, बल्कि उनकी सरलता, अनुशासन और सहकर्मियों के साथ समरसता के लिए भी गहरी प्रशंसा मिली है।

शुभकामनाओं के साथ विदाई- कार्यक्रम के अंत में पुलिस विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उन्हें उनके सेवा-समापन के उपलक्ष्य में अच्छे स्वास्थ्य, दीर्घायु, एवं उवल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं। इस अवसर पर कुछ सहकर्मी भावुक भी हुए, क्योंकि भूखन लाल कुर्रे का कार्यकाल सभी के लिए एक आदर्श और प्रेरणा का स्रोत रहा।

वर्दी सिर्फ ड्यूटी नहीं, एक जीवनशैली है – और भूखन लाल कुर्रे इसका जीता-जागता उदाहरण हैं।

गरियाबंद पुलिस परिवार

संपादकीय

एक और भगदड़

हरिद्वार के प्रसिद्ध मनसा देवी मंदिर में एक अफवाह ने कई जानें ले लीं। किसी धार्मिक स्थल पर भगदड़ की यह पहली घटना नहीं, लेकिन अफसोस है कि पुरानी गलतियों से सबक नहीं लिया जा रहा। पिछले एक साल पर नजर दौड़ाएं तो इस तरह के कई दुखद हादसे हो चुके हैं। पिछले साल जुलाई में ही हाथरस में एक धार्मिक आयोजन में मची भगदड़ में 121 लोगों की मौत हो गई थी। वहां आयोजक भीड़ को नहीं संभाल पाए। इस साल जनवरी की शुरुआत में तिरुपति मंदिर में टोकन लेने के लिए हद से ज्यादा श्रद्धालु पहुंच गए और पुलिस उनको काबू नहीं कर सकी। भगदड़ मची तो 6 लोगों की जान चली गई। इसी साल, मौनी अमावस्या पर महाकुंभ में और उसके बाद नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भी हादसा हुआ। धार्मिक आयोजनों में भीड़ प्रबंधन हमेशा से बड़ी चुनौती रहा है। अनुमान से ज्यादा लोग जब एक जगह जुट जाते हैं, तब हल्की-सी भी चूक जानलेवा बन सकती है। इन सारे मामलों में यही वजह रही - कोई अफवाह, भीड़ का अनियंत्रित हो जाना और निकलने की जगह न मिलना। किसी भी बड़े आयोजन का सबसे अहम हिस्सा है क्राउड मैनेजमेंट। जरूरी नहीं है कि भीड़ के बारे में लगाया गया अनुमान हमेशा सही साबित हो। ऐसे में रियल टाइम मॉनिटरिंग अहम हो जाती है, जिससे स्थिति के हिसाब से तुरंत निर्णय लिया जा सके। इस तरह की कोई दुर्घटना होने की सूरत में बचाव की योजना पहले से तैयार रहनी चाहिए। लेकिन, देखा गया है कि ज्यादातर मौकों पर पहले से की गई प्लानिंग बेकार हो गई, क्योंकि इंतजाम नाकाफी थे। तमाम धार्मिक स्थलों पर फैली अव्यवस्था को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। फिसलन भरे रास्ते, संकरी जगह, आने-जाने का एक ही मार्ग जैसी बातें लगभग हर जगह देखने को मिल जाएंगी। ऐसे में जब किसी खास मौके पर भीड़ बढ़ती है तो स्वाभाविक ही हादसे की आशंका भी बढ़ जाती है, जैसा सावन पर मनसा देवी में हुआ। बेंगलुरु में आरसीबी के इवेंट में हुए हादसे के बाद कर्नाटक सरकार क्राउड कंट्रोल पर एक बिल लेकर आई है, जिसमें जिम्मेदारियां तय की गई हैं। ऐसे कानून की हर जगह जरूरत है। साथ ही, ऐसी दुर्घटनाओं से बचने के लिए आयोजकों, पुलिस-प्रशासन और जनता को समन्वय में काम करना होगा। बड़े पैमाने पर जन-जागरूकता की जरूरत है, जिससे लोगों को बताया जा सके कि भीड़ के बीच उन्हें किस तरह का व्यवहार करना है।

चोल सम्राट राजेन्द्र प्रथम को लेकर भाजपा और द्रमुक में क्यों हो रही है खींचतान?

(नीरज कुमार दुबे)

सबसे पहले रामेश्वरम की बात करें तो आपको बता दें कि यह स्थल रामायण और श्रीराम से जुड़ा है जोकि धार्मिक-सांस्कृतिक महत्व रखता है। प्रधानमंत्री का वहां जाना दक्षिण भारत में हिंदू आस्था के प्रमुख केंद्रों को सशक्त करने का प्रयास माना गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यात्राओं में एक स्पष्ट रणनीतिक और सांस्कृतिक संदेश छिपा हुआ होता है। ऐसा ही संदेश प्रधानमंत्री की तमिलनाडु यात्रा में भी छिपा है। हम आपको याद दिला दें कि इस साल अप्रैल में श्रीलंका से लौटते समय प्रधानमंत्री सीधे रामेश्वरम पहुँचे थे और अब मालदीव से लौटते समय सीधे तमिलनाडु के तूतीकोरिन और त्रिची आ रहे हैं, जहाँ वह चोल सम्राट राजेन्द्र प्रथम की जयंती उत्सव और आदि तिरुवाथिरै महोत्सव में भाग लेंगे। यह यात्रा केवल धार्मिक या सांस्कृतिक कार्यक्रमों में उपस्थिति भर नहीं है, बल्कि तमिलनाडु और दक्षिण भारत की राजनीति में एक बड़ा संकेत है। सबसे पहले रामेश्वरम की बात करें तो आपको बता दें कि यह स्थल रामायण और श्रीराम से जुड़ा है जोकि धार्मिक-सांस्कृतिक महत्व रखता है। प्रधानमंत्री का वहां जाना दक्षिण भारत में हिंदू आस्था के प्रमुख केंद्रों को सशक्त करने का प्रयास माना गया। वहीं त्रिची में चोल सम्राट राजेन्द्र प्रथम की जयंती उत्सव में प्रधानमंत्री की उपस्थिति तमिल गौरव और चोल इतिहास को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित करने का संदेश देती है। यह दिखाता है कि केंद्र सरकार तमिल संस्कृति और इतिहास को भारतीय सभ्यता के अभिन्न अंग के रूप में प्रस्तुत कर रही है। प्रधानमंत्री मोदी की यह यात्राएँ यह संदेश देती हैं कि तमिलनाडु का इतिहास और संस्कृति राष्ट्रीय गौरव का हिस्सा है, न कि उससे अलग। चोल सम्राट राजेन्द्र प्रथम जैसे ऐतिहासिक नायकों को राष्ट्रीय विमर्श में लाना, छ्ख्य के तमिल गौरव के नैरेटिव को चुनौती देने की कोशिश भी है। इसके अलावा, त्रिची यात्रा के साथ-साथ प्रधानमंत्री तमिलनाडु के तूतीकोरिन में ?4,800 करोड़ से अधिक की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन भी कर

डीएमके और भाजपा दोनों ही राजेन्द्र प्रथम को अपने-अपने वैचारिक ढांचे में फिट करने की कोशिश कर रहे हैं। यह संघर्ष आने वाले समय में तमिलनाडु की राजनीति को और अधिक वैचारिक और सांस्कृतिक बहसों से भर देगा।

रहे हैं। इससे यह संदेश जाता है कि सांस्कृतिक गौरव और आर्थिक प्रगति एक-दूसरे के पूरक हैं। भाजपा इस संतुलन को दिखाकर तमिलनाडु की जनता को यह विश्वास दिलाना चाहती है कि केंद्र सरकार क्षेत्रीय विकास और सांस्कृतिक सम्मान दोनों पर ध्यान दे रही है। हम आपको बता दें कि प्रधानमंत्री गंगैकोंडाचोलपुरम में सम्राट राजेन्द्र चोल प्रथम की जयंती मनाने और आदि तिरुवाथिरै महोत्सव में शामिल होने के साथ ही राजेन्द्र चोल प्रथम पर एक स्मारक सिक्का जारी करेंगे। यह समारोह चोल साम्राज्य की समुद्री विजय के 1000 वर्ष पूरे होने और गंगैकोंडाचोलपुरम मंदिर के निर्माण की स्मृति में आयोजित हो रहा है। जहां तक यह सवाल है कि क्यों डीएमके और भाजपा चोल सम्राट राजेन्द्र प्रथम को लेकर आमने-सामने हैं तो आपको बता दें कि भारतीय राजनीति में इतिहास और प्रतीकों का इस्तेमाल नया नहीं है। लेकिन यहां असली सवाल यह है कि आखिर एक हज़ार वर्ष पूर्व के इस महान चोल सम्राट के नाम और योगदान को लेकर इतनी खींचतान क्यों? सवाल यह भी है कि इसके राजनीतिक, सांस्कृतिक और सामाजिक मायने क्या हैं? हम आपको बता दें कि राजेन्द्र प्रथम चोल साम्राज्य के सबसे शक्तिशाली शासकों में गिने जाते हैं। राजेन्द्र प्रथम (1014-1044 ई.) को दक्षिण भारत का सबसे महान समुद्री विजेता माना जाता है। उन्होंने श्रीलंका, मालदीव, बर्मा (म्यांमार), थाईलैंड और कंबोडिया तक अपना प्रभाव बढ़ाया। गंगा जल लेकर चोल राजधानी में अभिषेक करने वाली उनकी उपलब्धि उन्हें गंगैकोंडा चोल की उपाधि दिलाती है। उनके शासनकाल में प्रशासनिक, सांस्कृतिक और समुद्री व्यापारिक नेटवर्क का जबरदस्त विस्तार हुआ। इसके अलावा, राजेन्द्र प्रथम केवल सैन्य शक्ति का प्रतीक नहीं थे, बल्कि सांस्कृतिक और स्थापत्य कला के भी बड़े संरक्षक थे। तंजावुर और गंगैकोंडाचोलपुरम के भव्य मंदिर उनकी धार्मिक सहिष्णुता और स्थापत्य कौशल को दर्शाते हैं। गंगैकोंडाचोलपुरम मंदिर यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल है और तमिल शैव भक्ति परंपरा का महत्वपूर्ण केंद्र है। देखा जाये तो डीएमके के लिए राजेन्द्र प्रथम तमिल गौरव और द्रविड़ संस्कृति के प्रतीक हैं। पार्टी लंबे समय से यह तर्क देती रही है कि तमिल सभ्यता का इतिहास बेहद समृद्ध है और इसे उत्तर भारत केंद्रित ऐतिहासिक आख्यानों में दबा दिया गया। छ्ख्य चाहती है कि तमिल लोगों को यह एहसास हो कि उनके पूर्वजों ने समुद्र पार साम्राज्य खड़ा किया था। इसके अलावा छ्ख्य इस विषय को ब्राह्मणवादी इतिहास लेखन के प्रतिरोध के रूप में भी प्रस्तुत करती है। द्रविड़ आंदोलन के सामाजिक न्याय और जातिगत असमानताओं को चुनौती देने के एजेंडे के साथ, राजेन्द्र प्रथम का तमिल गौरव पार्टी के राजनीतिक विमर्श में मजबूती से फिट बैठता है। दूसरी ओर, भाजपा की रणनीति थोड़ी अलग है। पार्टी राजेन्द्र प्रथम को 'हिंदू साम्राज्यवादी शक्ति' के रूप में प्रस्तुत कर रही है, जिसने विदेशी ताकतों को परास्त कर भारत की सीमाओं के बाहर भी हिंदू प्रभाव फैलाया। यह नैरेटिव बीजेपी की व्यापक 'सांस्कृतिक राष्ट्रवाद' की सोच से जुड़ता है। इसके अलावा भाजपा तमिलनाडु में अपनी जड़ें मजबूत करना चाहती है, जहां अब तक उसकी उपस्थिति सीमित रही है। डीएमके के तमिल गौरव को चुनौती देने के लिए बीजेपी ऐतिहासिक नायकों को हिंदुत्व के चश्मे से प्रस्तुत कर रही है। इससे उसे तमिलनाडु में सांस्कृतिक जुड़ाव बनाने का अवसर मिलता है। दोनों दलों की खींचतान के निहितार्थ पर गौर करें तो डीएमके तमिल पहचान और द्रविड़ गौरव पर जोर देती है, जबकि भाजपा हिंदू पहचान और राष्ट्रीय गौरव पर। इसके अलावा, यह लड़ाई केवल अतीत की स्मृतियों की नहीं, बल्कि भविष्य की पीढ़ियों के लिए इतिहास को परिभाषित करने की भी है। यह भी देखने में आ रहा है कि भाजपा दक्षिण भारत में पैर जमाने के लिए क्षेत्रीय प्रतीकों को अपनाने की रणनीति पर काम कर रही है, जबकि डीएमके इस क्षेत्रीय अस्मिता को बचाने की कोशिश में है। चोल सम्राट राजेन्द्र प्रथम की विरासत पर चल रही यह खींचतान बताती है कि इतिहास केवल अतीत का विषय नहीं है, बल्कि वर्तमान की राजनीति का हथियार भी बनता है। डीएमके और भाजपा दोनों ही राजेन्द्र प्रथम को अपने-अपने वैचारिक ढांचे में फिट करने की कोशिश कर रहे हैं। यह संघर्ष आने वाले समय में तमिलनाडु की राजनीति को और अधिक वैचारिक और सांस्कृतिक बहसों से भर देगा। बहरहाल, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का तूतीकोरिन से गंगैकोंडाचोलपुरम तक का यह दौरा विकास और सांस्कृतिक प्रतीकवाद का एक संतुलित उदाहरण है। एक ओर वे दक्षिण तमिलनाडु को बड़ी बुनियादी परियोजनाओं का तोहफा दे रहे हैं, वहीं दूसरी ओर तमिल इतिहास और पहचान के सबसे गौरवशाली अध्यायों में से एक, चोल सम्राट राजेन्द्र प्रथम की स्मृति को सम्मानित कर रहे हैं। यह कदम तमिलनाडु की राजनीति में भाजपा की पकड़ मजबूत करने और क्षेत्रीय अस्मिता को राष्ट्रीय विमर्श से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण रणनीतिक प्रयास माना जा सकता है।

डोपिंग से दाग,सवाल भारत की साख का

भारतीय खिलाड़ियों में जैसी क्षमता दिखती है, उससे उम्मीद है कि देश वैश्विक खेल परिदृश्य में महत्त्वपूर्ण स्थान बना लेगा। मगर इसके बरक्स जिस तरह डोपिंग के मामले बढ़ रहे हैं, वह चिंता का विषय है। गंभीरता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि 2036 ओलंपिक की दावेदारी के लिए भारतीय प्रतिनिधिमंडल के दौरे के समय अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक परिषद ने डोपिंग में देश के खराब रिकार्ड पर चिंता जताई है।दरअसल, भारत पिछले महीने विश्व डोपिंग रोधी एजंसी के 2023 के जांच आंकड़ों में उन देशों में शीर्ष पर था, जिन्होंने पांच हजार या उससे ज्यादा नमूनों की जांच कराई थी, जबकि इसमें प्रतिबंधित पदार्थों का फीसद 3.8 दर्ज किया गया। ज्यादातर खेलों में डोपिंग की समस्या है। मगर दौड़ और कुश्ती में यह निराशाजनक है।राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजंसी की निलंबित खिलाड़ियों की सूची बताती है कि अन्य खेलों के मुकाबले कुश्ती में डोपिंग के सबसे अधिक उन्नीस मामले हैं। इनमें अगर पांच खिलाड़ी नाबालिग हैं, तो इससे साफ है कि उन्हें उचित मार्गदर्शन नहीं मिला और उन्होंने गलत कदम उठा लिया।लिहाजा अब यह सोचना होगा कि ऐसे खिलाड़ी सिर्फ खेल भावना के साथ देश के लिए खेलें और कुछ भी ऐसा न करें, जिससे उनके भविष्य पर प्रतिकूल असर पड़े।सरकारी नौकरी और 16 लाख का लालच युवा एथलीट्स को फंसा रहा डोपिंग के जाल में? कोई भी कामयाबी आत्मविश्वास और अनुशासन से ही मिलती है। हमारे खिलाड़ियों ने कड़ी मेहनत और लक्ष्य का संधान कर भारत का गौरव बढ़ाया है। मगर जल्द से जल्द शोहरत-सम्मान पाने की भूख चंद खिलाड़ियों को गलत रास्ते पर ले जा रही है। यह सही है कि किसी भी प्रतियोगिता में खिलाड़ी पदक के दावेदार के तौर पर सामने आते हैं, लेकिन विजेताओं को आर्थिक लाभ के साथ सरकारी नौकरियां मिलने से उनकी मानसिकता पर असर पड़ा है।दूसरी ओर उन्हें गुमराह करने वाले भी मिल जाते हैं। नतीजा यह है कि जानते-बूझते हुए भी वे गलत राह अपना लेते हैं। ऐसे में कोच का भी दायित्व है कि वे खिलाड़ियों के भीतर जागरूकता पैदा करें।फिलहाल एक बड़ा कदम भारतीय ओलंपिक संघ की कार्यकारी परिषद ने उठाया है।

प्रकृति पुकार रही है: अब संरक्षण नहीं, सहभागिता चाहिए

(ललित गर्ग)

वर्तमान युग में औद्योगीकरण, अंधाधुंध शहरीकरण, वनों की कटाई, जल और वायु प्रदूषण, प्लास्टिक का अत्यधिक उपयोग और जलवायु परिवर्तन ने प्रकृति के संतुलन को बिगाड़ दिया है। हर साल लाखों एकड़ वन समाप्त हो जाते हैं, सैकड़ों प्रजातियां विलुप्त हो जाती हैं और प्राकृतिक आपदाएं लगातार बढ़ रही हैं। हर वर्ष 28 जुलाई को मनाया जाने वाला विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस हमें प्रकृति, पर्यावरण एवं सृष्टि के संतुलन एवं संरक्षण के लिये प्रेरित करता है। प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के महत्व को उजागर करते हुए यह दिन हमें प्रकृति के साथ अपने संबंधों पर विचार करने और एक स्थायी भविष्य की दिशा में कदम उठाने का आग्रह करता है। यह इस बात को मान्यता देता है कि एक स्वस्थ एवं संतुलित समाज की नींव ही एक स्वस्थ पर्यावरण है। हम प्रकृति के केवल उपयोगकर्ता नहीं, बल्कि उसके संरक्षक भी हैं। इस दिवस की वर्ष 2025 की थीम-प्रकृति के साथ सामंजस्य पुनर्स्थापित करें, पुनर्जीवित करें, पुनःकल्पना करें' है जो न केवल हमारे पर्यावरणीय कर्तव्यों को रेखांकित करती है, बल्कि यह एक गंभीर चेतावनी भी है कि यदि हम अब भी नहीं जागे, तो प्रकृति हमें अपने ढंग से जगाएगी और तब यह जागरण महंगा पड़ सकता है। थीम के अनुरूप 'पुनर्स्थापित' करना यानी प्रकृति को उसकी मूल अवस्था में लाना, 'पुनर्जीवित' यानी मृत या निष्क्रिय हो चुकी प्राकृतिक प्रणालियों को पुनर्जीवित करना और 'पुनःकल्पना' यानी एक ऐसे भविष्य की कल्पना करना जो सतत विकास, हरित ऊर्जा और मानव-प्रकृति सह-अस्तित्व पर आधारित हो। इस थीम का सार यह है कि हम केवल 'मदद' नहीं कर रहे, बल्कि प्रकृति के प्रति अपने दायित्वों को निभा रहे हैं, क्योंकि हमारी जीवनशैली ही प्राकृतिक संसाधनों की सबसे बड़ी उपभोक्ता रही है। वर्तमान युग में औद्योगीकरण, अंधाधुंध शहरीकरण, वनों की कटाई, जल और वायु प्रदूषण, प्लास्टिक का अत्यधिक उपयोग और जलवायु परिवर्तन ने प्रकृति के संतुलन को बिगाड़ दिया है। हर साल लाखों एकड़ वन समाप्त हो जाते हैं, सैकड़ों प्रजातियां विलुप्त हो जाती हैं और प्राकृतिक आपदाएं लगातार बढ़ रही हैं। यह स्थिति न केवल जैव विविधता को नष्ट कर रही है, बल्कि मानव अस्तित्व पर भी सीधा खतरा बन चुकी है। भारत की प्रकृति चुनौतियां गंभीर है, एक चिन्ता है, एक संकट है, लगता है जैसे कुछ अधूरा है। क्योंकि आप न खुली साफ हवा में अपनी मर्जी से सांस ले सकते हैं और न पीने को शुद्ध जल प्राप्त कर सकते हैं। 2000वीं संसदीय रिपोर्ट बताती है कि भारत में करोड़ों लोग अभी भी स्वच्छ जल से वंचित हैं। रसायनयुक्त कृषि, प्लास्टिक प्रदूषण, माइनिंग प्रेरित जल प्रदूषण-इनसे नदियां, तालाब, भूजल, प्रकृति सभी दूषित हो रहे हैं। सतत जल सुरक्षा का अर्थ है हर परिवार को शुद्ध, पर्याप्त और सुलभ पानी मिलना चाहिए। शुद्ध हवा व शुद्ध जल कैंसर, हृदय-पक्षाघात, संक्रामक और पुरानी बीमारियों को रोकते हैं। स्वस्थ जीवनशैली और निरोगी समाज अर्थव्यवस्था के लिए उपजाऊ है। जीवन के तीन आधार तत्व हैं-हवा, पानी और धरती है। प्रकृति संरक्षा न केवल हमारी अस्तित्व-निर्भरता से जुड़ी है, बल्कि मानवता की नैतिक जिम्मेदारी भी है। आज का युग, जिस तेज़ी से विकसित हो रहा है, उसी भागदौड़ में प्रकृति पर तरह-तरह के आघात हो रहे हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध, हमाम-इजरायल युद्ध, थाईलैंड- कंबोडिया युद्ध, दिल्ली का उच्च प्रदूषण सूचकांक, अमेरिका के जंगलों की धुएं से गंदली हवा, बढ़ता वाहन प्रदूषण-ये सब संकेत देते हैं कि प्रकृति दूषित हो रही है, क्रंदन कर रही है। भारत एक समृद्ध जैव-विविधता वाला देश है, लेकिन यहां भी वनों की कटाई, नदियों का प्रदूषण, और ग्लेशियरों का पिघलना चिंताजनक स्तर पर पहुंच चुका है। हाल ही में उत्तराखंड, हिमाचल और पूर्वोत्तर राज्यों में आई जलवायु आपदाएं स्पष्ट संकेत हैं कि प्रकृति अब चेतावनी दे रही है। पर्यावरण संरक्षण केवल सरकारों या संगठनों की जिम्मेदारी नहीं, हर नागरिक का कर्तव्य है।

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5807

		1			3	2		
9						1	7	
8	4			1		6		9
				2	5			
2	6						8	3
			7	6				
1		3		7			2	4
	9	7						6
		8	4			9		

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5806

5	4	3	9	1	7	2	6	8
9	8	6	5	3	2	1	7	4
7	1	2	8	6	4	9	5	3
3	2	5	6	4	1	7	8	9
1	6	8	7	5	9	3	4	2
4	9	7	2	8	3	6	1	5
2	7	4	1	9	5	8	3	6
6	3	9	4	7	8	5	2	1
8	5	1	3	2	6	4	9	7

वर्ग पहेली 5807

1	2	■	3		4	■	5
6		7		■	8	9	
10			■	11			
■	12		13		■		■
14	■	■	15		16	■	17
18	19			■	20		
21		■	22	23		■	
			■	25			■

संकेत: बाएं से दाएं

1. 1781 को इस देश के निवासियों द्वारा लॉस एंजिल्स की स्थापना की गई (2)
3. काजू का सबसे अधिक उत्पादन और उपभोग इस देश में होता है (3)
6. नफीरी, एक मंगलवाद्य जिसका नाम बिस्मिल्लाखां के साथ जुड़ा है (4)
8. प्रबल अभिलाषा, तीव्र उत्कंठा (3)
10. मस्तक, मत्था (3)
11. सुबकी ले लेकर रोना (4)
12. अस्वीकार करना, नकारना, सहमति देना (4)
15. प्रकार, ढंग, विधि (3)
18. घोर ध्वनि करना, गर्जन करना, गाजना (4)
20. नया (2)
21. विस्तार, काला, अनासत्र (2)
22. रहने का ढंग, गिरवी (3)
24. क्रोध या आवेश में आने का भाव, उत्तेजना, झल्लाहट (3)
25. ध्यानी, स्वेच्छाचारी (3)

संकेत: ऊपर से नीचे

1. विशिष्ट, अलौकिक, खास (3)
2. स्नान करवाना (4)
3. भ्राता, जो एक ही कुल में उत्पन्न हुआ हो (2)
4. ख्वाहिश, तमन्ना, इच्छा (3)
5. बकवास करना, प्रलाप करना (3)
7. ड्रामा, अभिनेता द्वारा मंच रेडियों, दूरदर्शन आदि पर अभिनय प्रदर्शन (3)
9. पक्षाघात (3)
11. स्वर्ण कर्म, जर निगारी (3)
13. कुल लाल सुर्खी लिए हुए (4)
14. सुप्रसिद्ध कवि कालिदास की प्रसिद्ध कृति (4)
16. कानून के मुताबिक, विधान के अनुसार (4)
17. श्रवण करना, अभिमुख होना, कान देना (3)
19. मुलायम, कोमल (3)
23. सर्वनाम उत्तम पुरुष का बहुवचन (2)

वर्ग पहेली 5806 का हल

प्या	रे	ला	ल	■	क	त	र
ज	ल	ज	■	■	पा	व	न
■	मा	■	त	मा	ल	■	क
ख	र्ज	त	रू	■	मा	न	ना
र	■	म	■	ज	ली	ल	■
गं	गा	सा	ग	र	■	से	वा
गा	ज	■	री	■	आ	तु	र
■	र	की	ब	■	शा	■	ना

आज का राशिफल

मेष
आज किसी मुश्किल काम में बाधाएं आ रही थीं, तो अब अचानक से वह पूरा हो सकता है। इससे आपका भाग्य चमक सकता है। इसी के चलते व्यापार के मामले में पूरा दिन अच्छा रहेगा। पारिवारिक मामले में आपको जीवनसाथी की भावनाओं को समझना होगा, इससे दांपत्य जीवन खुशहाल बना रहेगा। काम सफलता से पूरा होने पर आपकी सराहना की जाएगी।

वृष
आज दिन उत्साह और जोश से भरपूर रहने वाला है। कामकाज से कुछ समय की छुट्टी होने के बावजूद आप कार्यक्षेत्र में ज्यादा से ज्यादा काम को पूरा करने का मन बना सकते हैं। लेकिन काम की गति अपने अपेक्षा अनुसार बढ़ाने के लिए आपको सभी चीजों पर नियंत्रण रखना होगा। नौकरी करने वालों के लिए भी यह दिन मिलाजुला रहेगा।

मिथुन
आज आपको धन निवेश करने से बचना होगा, अन्यथा बड़े हानि का सामना करना पड़ सकता है। ऐसे में आपके लिए अपने कारोबार पर ध्यान देना ज्यादा बेहतर होगा। साथ ही, व्यापार के मामले में कोई भी जोखिम भरा काम करने या निर्णय लेने से बचें। नौकरी करने वालों को भी अपना काम समय पर पूरे करने पर ध्यान देना होगा।

तुला
आज किसी बड़े और भारी काम का प्रेशर आ सकता है। इसे पूरा करने के लिए आपको अधिक समय की जरूरत भी पड़ सकती है। अगर आप किसी उद्योग का संचालन कर रहे हैं, तो कार्यस्थल पर हर गतिविधि पर अपनी नजर बनाए रखना जरूरी होगा। ऐसा न करने से किसी नुकसान का सामना करना पड़ सकता है।

वृश्चिक
आज अपने कार्यों को नए तरीके से कर सकते हैं। इससे कोई भी मुश्किल काम आसानी से पूरा हो जाएगा और इससे आपका वक्त भी बचेगा। आपकी किसी ऐसी समस्या पर वरिष्ठ अधिकारियों का ध्यान जा सकता है, जो लाभकारी सिद्ध होगा और आपको भविष्य में बड़ा लाभ दिला सकता है। आर्थिक स्थिति भी मजबूत बनी रहेगी। आपके दैनिक कार्यों में भी कुछ बाधाएं आ सकती है।

धनु
आज क्षेत्र में रहकर अपना वर्चस्व बनाए रखने के प्रयास में लगे रह सकते हैं। लेकिन इसके चलते कुछ लोग कार्यस्थल पर आपकी आलोचना भी कर सकते हैं। ऐसे में सोच-समझकर और शांति से कोई भी काम करना आपके लिए बेहतर होगा। कार्यक्षेत्र में आप अच्छे अधिकारी बन सकते हैं। लेकिन इसके लिए आपको कड़ी मेहनत करनी होगी।

कर्क
आज लंबे समय से कार्यक्षेत्र में किसी काम या योजना को सफल बनाने के लिए संघर्ष कर रहे थे, तो अब धीरे-धीरे वे गति पकड़ सकते हैं। ऐसे में आप कुछ समय एकांत में बैठकर अपने मन को शांत भी कर सकते हैं। आर्थिक मामलों में आपको सोच-समझकर निर्णय लेने की जरूरत होगी। इस समय काम पर फोकस रखने के लिए आपको अपने स्वास्थ्य का भी ख्याल रखना होगा।

सिंह
आज धन कमाने के लिए कई नए रास्ते नजर आ सकते हैं। ऐसे में आपको सोच-समझकर सही रास्ते पर आगे बढ़ना होगा। इसी बात को लेकर आपके अपने सहयोगी या पार्टनर से मतभेद भी हो सकते हैं। नौकरी करने वालों का दिन अच्छा रहने वाला है। कार्यस्थल पर कामकाज अच्छा चलते और कमाई के एक से अधिक स्रोत हो सकते हैं।

कन्या
आज कोई जरूरी और अधिक महत्वपूर्ण कार्य करने के लिए सौंपा जा सकता है। ऐसे में आपको बिना किसी शंका और ज्यादा विचार के अपने काम को पूरी मेहनत और समझदारी से करना होगा। काम को समय पर पूरा करने के लिए अधिक मेहनत करनी होगी।

मकर
आज नौकरी के मामले में ज्यादा अच्छा नहीं रहने वाला है। कार्यक्षेत्र में कुछ अजीब सा माहौल देखने को मिल सकता है, जिससे मन थोड़ा अशांत रहेगा। व्यापार के मामले में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकते हैं, जो आपके लिए अनुकूल नहीं होंगे। ऐसे में इस समय जोखिम लेने से बचें और आर्थिक मामलों में भी सावधानी जरूर बरतें।

कुंभ
आज आप किसी ऐसी परिस्थिति में फंस सकते हैं जहां से निकलना बहुत मुश्किल होगा। ऐसे में आपको सोच-समझकर फैसले लेने होंगे और जल्दबाजी से भी बचना होगा। व्यापार में कुछ उलझन के चलते भी आपका मन परेशान रह सकते है। लेकिन अगर आप ऐसी योजना बनाते हैं, जो भविष्य में लंबे समय तक लाभ दे सकती है, तो इससे आपका रास्ता आसान हो सकता है।

मीन
आज किसी बात को लेकर वाद-विवाद होने की संभावना बनी हुई है। ऐसे में आपको अपने सहयोगियों और वरिष्ठ अधिकारियों से तर्क वितर्क करने से बचना होगा, अन्यथा बात ज्यादा बड़ी हो सकती है। व्यापार के मामले में आ रहे उतार-चढ़ावों को आपको समझदारी से संभालना होगा। सफलता पाने के लिए परिस्थिति को स्वीकार करके उसी अनुसार चलना बेहतर होगा।

कोरबी पंचायत में पेयजल घोटाला: रनिंग वाटर के नाम पर 6.70 लाख का गबन, बच्चे फ्लोराइड युक्त हैंडपंप से पी रहे दूषित पानी

स्कूलों व आंगनबाड़ियों में नहीं दिखता रनिंग वाटर सिस्टम, शौचालय भी जर्जर हालत में, बच्चों की सेहत से हो रहा खिलवाड़

कोरबा/पोड़ी उपरोड़ा (गंगा प्रकाश)। सरकार की योजनाएं गांव-गांव तक शुद्ध पेयजल और बेहतर स्वच्छता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से बनाई जाती हैं, लेकिन ग्राम पंचायत कोरबी (सी) में इन योजनाओं को कुछ जिम्मेदारों ने अपने लाभ का साधन बना लिया है। यहां आंगनबाड़ियों और स्कूलों में रनिंग वाटर सिस्टम के नाम पर 6 लाख 70 हजार 237 रुपये खर्च दिखाए गए, मगर जमीनी हकीकत इससे कोसों दूर है। स्कूलों में पढ़ने वाले नौनिहाल आज भी फ्लोराइडयुक्त हैंडपंप का दूषित पानी पीने को मजबूर हैं, जबकि कागजों में सब कुछ 'व्यवस्थित' बताया गया है।

जमकर किया सरकारी धन का दुरुपयोग, बच्चों की सेहत दांव पर

ग्राम पंचायत कोरबी (सी) में तत्कालीन सरपंच पुनिता कंवर और सचिव मेहरून निशा ने मिलकर 15वें वित्त आयोग की राशि से लाखों की रकम निकाल कर रनिंग वाटर सिस्टम की स्थापना दिखाई।

18 दिसंबर 2021 को ?1,06,700

06 जनवरी 2022 को ?1,98,915

15 फरवरी 2022 को ?2,00,243

13 जुलाई 2022 को ?1,64,379 की राशि विभिन्न रिचार्ज वाउचरों के माध्यम से निकाली गई।

कागजों में ये कार्य पूर्ण दिखाए गए, लेकिन जियो टैग और भौतिक निरीक्षण में इनमें से अधिकांश कार्यों का कोई अता-पता नहीं। न रनिंग वाटर है, न टंकी, न पाइपलाइन। बच्चे वही पुराने हैंडपंप चलाकर फ्लोराइड युक्त पानी पीने को विवश हैं, जो उनकी सेहत के लिए खतरनाक है। कई बच्चे अपने साथ बोतल में घर से पानी लाते हैं। मध्यान्ह भोजन बनाने वाली महिलाएं भी अपने घरों से पानी ला रही हैं।

शौचालय भी बदहाल: खुले में शौच के लिए मजबूर छात्र

यहां के प्राथमिक और माध्यमिक शालाओं में शौचालयों की स्थिति भी बेहद दयनीय है। शौचालयों की दीवारें टूटी हुई हैं, गड्ढे भरे नहीं गए, और गंदगी का अंबार है। ऐसे में छात्र-छात्राएं खुले में शौच जाने को मजबूर हैं, जिससे स्वच्छता और स्वास्थ्य की गंभीर समस्याएं खड़ी हो रही हैं। विडंबना यह है कि यही स्कूल कभी स्वच्छता जागरूकता रैली निकालते थे, पोस्टर के माध्यम से संदेश देते थे — खुले में शौच न जाएं, आज वही बच्चे खुद इस पीड़ा के शिकार हैं।

पेयजल सुदृढ़ीकरण के नाम पर भी छलावा

पंचायत मद से पेयजल सुदृढ़ीकरण के नाम पर बोर फिटिंग, हैंडपंप, पाइप, सबमर्सिबल पंप, और टंकी (सिन्टेक्स) खरीद जैसी मदों में भारी रकम निकाली गई। लेकिन ज्यादातर बोर फेल, हैंडपंप खुदवाए नहीं गए, और जो हैंडपंप हैं, उनमें भी मोटर नहीं लगे। महिलाएं आज भी दिनभर हैंडपंप चलाकर पानी भरने में जुटी रहती हैं।

जितनी राशि खर्च बताई गई है, उससे पूरे ग्राम में घर-घर नल से जल पहुँचाया जा सकता था। लेकिन यहां स्थिति यह है कि पेयजल योजना की राशि ने सरपंच-सचिव के घरों में बहार ला दी, और गांव में पानी के लिए हाहाकार है।

न वर्तमान सरपंच जागे, न विभाग

वर्तमान सरपंच कीर्ति कुमार उइके भी इस समस्या से आंखें मूंदे बैठे हैं। न उन्होंने स्कूलों की स्थिति की समीक्षा की, न पीएचई विभाग की ओर से कोई ठोस पहल हुई। विभागीय अधिकारी केवल फाइलों पर हस्ताक्षर कर अपने कर्तव्यों की इतिश्री कर रहे हैं, और फ्लोराइड फिल्टर यूनिट की स्थापना और मरम्मत के नाम पर लाखों की रिपोर्ट शासन को भेज रहे हैं।

बड़ा सवाल: क्या होगी जांच?

ग्राम पंचायत कोरबी (सी) में हुए इस गंभीर वित्तीय और प्रशासनिक घोटाले ने न केवल शासन की योजनाओं को पलीता लगाया है, बल्कि बच्चों के स्वास्थ्य और शिक्षा के अधिकार का भी हनन किया है। अब बड़ा सवाल यह है कि —

क्या जांच एजेंसियां इस मामले में कार्रवाई करेंगी?

क्या जनपद, जिला और राज्य स्तर पर बैठे अधिकारी इस ओर ध्यान देंगे?

क्या भ्रष्टाचारियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई होगी?

अगर नहीं, तो ये रिपोर्टें और तस्वीरें भी केवल दस्तावेज बनकर रह जाएंगी और बच्चे फ्लोराइडयुक्त जहर पीते रहेंगे, नेता अपनी जेबें भरते रहेंगे।

गांव की बेटियों ने कर दिखाया कमाल

महात्मा गांधी नरेगा और स्वच्छ भारत मिशन से संवर गई 'खरहरी' की तस्वीर

ग्रामीणों और स्वच्छाग्रही महिलाओं की मेहनत से बना 'क्लीन एंड ग्रीन विलेज'

गरियाबंद (गंगा प्रकाश)। छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले से महज 18 किलोमीटर दूर बसे एक छोटे से गांव 'खरहरी' ने वो कर दिखाया है जो बड़े-बड़े शहर नहीं कर पाए। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) और स्वच्छ भारत मिशन के दम पर यह गांव आज 'क्लीन एंड ग्रीन विलेज' के नाम से पहचाना जा रहा है। इस उपलब्धि के पीछे कोई बड़ी कंपनी या सरकारी अमला नहीं, बल्कि गांव की साधारण सी दिखने वाली लेकिन असाधारण हिम्मत और सोच रखने वाली महिलाएं हैं — जिन्हें आज 'स्वच्छाग्रही दीदी' के नाम से जाना जाता है।

कचरे से कमाई ङ्क गंदगी से मुक्ति- खरहरी गांव की तस्वीर आज बदली है, तो इसकी बड़ी वजह गांव में सेग्रीगेशन शेड का निर्माण है, जो मनरेगा के तहत किया गया। इसमें गांव भर से एकत्रित सूखे कचरे — जैसे कि लोहा, प्लास्टिक, कागज, कार्टून आदि को छांटकर कबाड़ी को बेचा जाता है। वहीं गीले कचरे — जैसे सब्जियों के डंठल, पत्तियाँ आदि से जैविक खाद तैयार की जाती है, जिसका इस्तेमाल गांव में पौधारोपण और किचन गार्डन में हो रहा है।

714 श्रमिक, 340 जॉब कार्ड ङ्क गांव चला रहा है खुद की व्यवस्था- गांव में 340 जॉब कार्डधारी परिवार हैं, और इनसे जुड़े 714 मजदूर नियमित रूप से स्वच्छता अभियान और ग्राम विकास कार्यों में भागीदारी निभा रहे हैं। हर घर से सप्ताह में दो बार ट्रायसिकल के माध्यम से कचरा एकत्र किया जाता है। इसके लिए प्रत्येक परिवार से ?10 मासिक शुल्क लिया जाता है और ग्राम पंचायत से ?6000 सहयोग राशि मिलती है, जिससे पूरे तंत्र को लगातार चलाया जा रहा है।

महिलाएं बनीं स्वच्छता की ब्रांड एंबेसडर- गांव की स्वच्छाग्रही महिलाएं सिर्फ झाड़ू नहीं लगा रहीं, वे पूरे गांव की स्वच्छता रणनीति बना रही हैं, उसका संचालन कर रही हैं, और सामाजिक नेतृत्व कर रही हैं। इन्हें पंचायत द्वारा मासिक मानदेय और स्वच्छता किट (जैसे मास्क, ग्लव्स, बूट, एप्रन, कैप, हैंडवॉश, डस्टबिन आदि) प्रदान किया गया है।

गांव की गंदगी से परेशान होकर एक साल पहले इन्हीं महिलाओं ने स्वच्छता क्रांति की नींव रखी थी। पंचायत और ग्रामसभा से सेग्रीगेशन शेड की मंजूरी ली और तय समय में कार्य पूरा कर गांव को एक नयी दिशा दी।

खरहरी — अब प्रेरणा का प्रतीक- गांव के सरपंच जगदीश राम और ग्रामीण नंदनी साहू कहते हैं, ‰यह बदलाव सिर्फ योजनाओं से नहीं आया, जनसहभागिता और महिलाओं की मेहनत से आया है। लोग अब खुद कचरा अलग-अलग कर जमा करते हैं, गलियों में कचरा फेंकने से बचते हैं। बच्चों को भी अब स्वच्छता का पाठ सिखाया जा रहा है।‰

गांव की हर गली बनी मिसाल- खरहरी की गलियाँ अब गंदगी से मुक्त, हरियाली से सजी और पौधों से सुसज्जित हैं। स्कूलों में बच्चों को स्वच्छता गीत सिखाया जा रहा है, और हर घर में अब डस्टबिन रखना अनिवार्य हो गया है। प्लास्टिक मुक्त, कचरा मुक्त और गंदगी मुक्त इस गांव को अब आस-पास के अन्य गांव भी फॉलो करने लगे हैं।

खास बातें एक नज़र में:

गांव में 340 जॉब कार्डधारी, 714 मजदूर सक्रिय

मनरेगा से बना सेग्रीगेशन शेड

सूखे-गीले कचरे का अलग-अलग संग्रहण और निपटान

स्वच्छाग्रही महिलाओं को मासिक मानदेय और उपकरण

गांव की गलियाँ साफ हरियाली से सजी

क्लीन एंड ग्रीन विलेज का दर्जा ग्राम खरहरी ने वह कर दिखाया है जो कई योजनाएं सिर्फ कागजों में रह जाती हैं।

जान से मारने की नियत से प्राण घातक हमला करने वाला आरोपी को किया गिरफ्तार थाना पामगढ़ पुलिस की कार्यवाही

पामगढ़ (गंगा प्रकाश):- मामले का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है की दिनांक 21/06/25 को रात्रि 08.15 बजे प्रार्थी राधेश्याम राठौर निवासी ग्राम धाराशिव के घर के पास आरोपी अभिषेक गोस्वामी, दिग्विरजय सिंह, आयुष राठौर, देवेन्द्र राठौर, सुधीर राठौर एवं 10-15 लोग मिलकर मारने के लिये लडाई झगडा विवाद किये थे जिससे सिर मे हल्का खरोच आया है। उसके बाद यह अपने बडा लडका दीलीप राठौर के साथ ?जितेश के ससुराल घर जा रहे थे तब तालाब के पास दिग्विाजय राठौर एवं 10-15 अन्य साथी के साथ खड़े थे तब यह क्यो झगडा कर रहे हो बोलने पर दिग्विजय तुम अपने तीनो लडका को लेकर आना बातचीत करना है मामला को सुलझाना है तब यह वहां से चला गया और दीलीप राठौर को छोडकर मो.सा. से वापस अकेले आ रहा था तब दिग्विजय सिंह के घर के पास अभिषेक गोस्वामी, आयुष राठौर, देवेन्द्र राठौर, ओंकार राठौर, सूरज यादव, योगेश राठौर, सुधीर राठौर एवं चंद्रशेखर राठौर थे जो प्रार्थी को पुन: बोला तुम अपने तीनो लडको को बुलाओ आज तुम्हारे तीनो बेटो को जान सहित मारेंगे बोले तब यह अपने घर चला गया और अपने मझला लडका दिनेश राठौर, नाती अमन राठौर के साथ घर के सामने बैठे थे करीब 40-50 मीनट बाद चंद्रशेखर राठौर अपने हाथ मे तलवार रखा हुआ था और साथ मे दिग्विजय सिंह, अभिषेक गोस्वामी, सूरज यादव व देवेन्द्र राठौर सभी अश्लील गाली गलौच करते घर के पास आये और जान से मारने की नियत से चंद्रशेखर राठौर तलवार से प्रार्थी के मझला लडका दिनेश राठौर के सिर मे मारा तथा अन्य लोग क्रिकेट बेट, स्टम, एवं हाथ मुक्का से मारपीट किये जिससे दिनेश राठौर को गंभीर चोंट लगी थी कि प्रार्थी की रिपोर्ट पर आरोपीयों के विरूद्ध अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया था। मामले मे घटना की जानकारी पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पाण्डेय (IPS) को अवगत कराया गया जो मामले मे त्वरित कार्यवाही करने निर्देशित किये, इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश कुमार कश्यप एवं छ्स्क्क अजाक श्री जितेंद्र कुमार खूंटे के कुशल मार्गदर्शन मे त्वरित कार्यवाही करते हुए मामले मे 04 आरोपी चंद्रशेखर राठौर, देवेन्द्र राठौर, दिग्विजय सिंह राठौर एवं सूरज कुमार यादव को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा जा चुका है।

स्वच्छ सर्वेक्षण ग्रामीण 2025 में जनभागीदारी से बनेगी जिले की रैंकिंग

एसएसजी 2025 मोबाइल ऐप के माध्यम से दे सकते हैं फीडबैक

जांजगीर-चांपा (गंगा प्रकाश) :- स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के अंतर्गत स्वच्छ सर्वेक्षण ग्रामीण 2025 का आयोजन भारत सरकार के पेयजल एवं स्वच्छता विभाग द्वारा किया जा रहा है। यह राष्ट्रीय स्तर का सर्वेक्षण 25 जून से 14 अगस्त 2025 तक चलाया जा रहा है, जिसका उद्देश्य ग्राम पंचायतों की स्वच्छता व्यवस्था का आकलन कर उन्हें रैंकिंग देना है। जिले और राज्य की रैंकिंग इसी के आधार पर तय की जाएगी। ग्राम पंचायतों में ग्रामीण एसएसजी 2025 मोबाइल ऐप के माध्यम से दे सकते हैं अपना फीडबैक दे सकते है।

सर्वेक्षण का कार्य भारत सरकार द्वारा चयनित स्वतंत्र एजेंसी के माध्यम से किया जा रहा है। इस सर्वेक्षण की सफलता जनभागीदारी पर निर्भर है, इसलिए राज्य सरकार द्वारा निर्देश दिए गए हैं कि ग्राम पंचायतों में व्यापक स्तर पर प्रचार-प्रसार किया जाए। एसएसजी 2025 मोबाइल ऐप के माध्यम से ग्रामीण नागरिक अपने गांव की सफाई, शौचालय की स्थिति, कचरा प्रबंधन, और सामुदायिक स्थलों की स्वच्छता पर सीधे प्रतिक्रिया दे सकते हैं, जो सर्वेक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे और मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री गोकुल रावटे ने जिलेवासियों से विशेष रूप से अपील की है कि वे एसएसजी 2025 ऐप पर अधिक से अधिक अभिमत देकर जिले को राष्ट्रीय स्तर पर अग्रणी बनाने में योगदान दें। जांजगीर-चांपा जिला देशभर में स्वच्छता के क्षेत्र में शीर्ष स्थान प्राप्त करे।

राखी के धागों से बुनी आत्मनिर्भरता की कहानी — मैनपुर की दीदियों ने रचा बदलाव का सूत्र

धान, चावल, रेशम और उम्मीदों से तैयार हो रही हैं पर्यावरण-मित्र राखियाँ, घर-घर बिखर रही महिलाएं की मेहनत की खुशबू

गरियाबंद/मैनपुर (गंगा प्रकाश)। जहाँ राखी भाई-बहन के प्रेम और सुरक्षा का प्रतीक मानी जाती है, वहीं अब यह पर्व महिलाओं की आत्मनिर्भरता और स्वाभिमान का प्रतीक भी बनता जा रहा है। जिले के सुदूरवर्ती मैनपुर विकासखंड के अमलीपदर संकुल की स्व-सहायता समूह की महिलाएं इस रक्षाबंधन पर समाज को एक नया संदेश दे रही हैं— कि हाथों की कारीगरी और दिल की लगन से न केवल परंपरा को सहेजा जा सकता है, बल्कि आर्थिक स्वतंत्रता की नई राह भी बनाई जा सकती है। इन स्व-सहायता समूहों की 'दीदियों' ने इस वर्ष हस्तनिर्मित राखियों के निर्माण का बीड़ा उठाया है। ये राखियाँ रेशम के धागों, धान, चावल, मूंग, मोती, और अन्य स्थानीय सजावटी सामग्रियों से तैयार की जा रही हैं। सबसे खास बात यह है कि ये राखियाँ पूरी तरह से पर्यावरण के अनुकूल हैं— न प्लास्टिक, न रासायनिक रंग, न कोई प्रदूषणकारी सामग्री। यह प्रयास केवल एक त्योहार की तैयारी भर नहीं, बल्कि एक बड़े सामाजिक परिवर्तन की दस्तक है।

परंपरा से पहचान, कारीगरी से कारोबार- महिलाओं ने पारंपरिक कारीगरी को नए आयाम दिए हैं। पहले जहां रक्षाबंधन केवल बाजार में बिकने वाली मशीन से बनी राखियों पर निर्भर था, वहीं अब गांव की गलियों में मेहनत की खुशबू बसी है। दीदियों ने राखी को आजीविका से जोड़ते हुए उसे एक छोटे उद्योग का स्वरूप दिया है। उन्होंने अपने घरों में ही छोटे-छोटे उत्पादन केंद्र बना लिए हैं, जहाँ रोज़ सुबह धान और रेशम के धागे के साथ काम की शुरुआत होती है, और शाम तक दर्जनों खूबसूरत राखियाँ तैयार हो जाती हैं।

बाजार में भी बिखर रही है दीदियों की रचनात्मकता- स्थानीय बाजारों में इन राखियों की मांग तेजी से बढ़ रही है। स्कूलों, कार्यालयों और सरकारी संस्थानों में भी इन राखियों के ऑर्डर आ रहे हैं। महिलाओं ने न केवल उत्पादन, बल्कि बिक्री और विपणन की जिम्मेदारी भी खुद उठाई है। कई स्थानों पर महिलाओं द्वारा संचालित दुकानों में ये राखियाँ बिक्री के लिए रखी गई हैं, जहाँ ग्राहक राखी खरीदते हुए यह भी समझ रहे हैं कि यह सिर्फ एक धागा नहीं, बल्कि किसी महिला की मेहनत, उम्मीद और आत्मनिर्भरता का प्रतीक है।

सिर्फ आमदनी नहीं, आत्मविश्वास भी बढ़ा- इस पहल का सबसे बड़ा असर महिलाओं के आत्मविश्वास पर पड़ा है। पहले जो महिलाएं घरेलू कार्यों तक सीमित थीं, वे अब खुद को एक उद्यमी के रूप में देख रही हैं। सामूहिक प्रयास, रचनात्मक सोच और आत्मनिर्भरता की भावना उनमें मजबूत हो रही है। समूहों की महिलाएं अब दूसरों को भी जोड़ रही हैं और यह छोटी सी पहल एक आंदोलन में बदलती नजर आ रही है।

प्रशासन और बिहान का सहयोग भी अहम- इस सफलता के पीछे बिहान योजना की सक्रिय भूमिका है, जिसने महिलाओं को प्रशिक्षण, कच्चा माल और विपणन के लिए आवश्यक सहयोग प्रदान किया। बिहान की टीम नियमित रूप से समूहों से संपर्क में रहकर उन्हें तकनीकी और व्यावसायिक मार्गदर्शन दे रही है।

राखी अब केवल रक्षासूत्र नहीं, सफलता-सूत्र बन चुकी है- मैनपुर की महिलाओं ने यह दिखा दिया है कि अगर अवसर और मार्गदर्शन मिले, तो ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाएं भी किसी से कम नहीं। एक साधारण से त्योहार को आत्मनिर्भरता से जोड़ कर उन्होंने वह कर दिखाया है, जो नीति-नियंताओं के लिए भी मिसाल बन सकता है।

अब जब कोई बहन अपने भाई की कलाई पर यह राखी बांधती है, तो उसमें सिर्फ प्रेम और सुरक्षा की भावना नहीं, बल्कि गांव की किसी मेहनतकश बहन की प्रेरणादायक कहानी भी बंधती है।

खेलों का महाकुंभ

महासमुंद विकासखंड में टेबल टेनिस, टेनिस, तलवारबाजी से लेकर रग्बी तक की ज़बरदस्त प्रतियोगिताएं संपन्न, युवाओं में दिखा अद्भुत जोश

महासमुंद (गंगा प्रकाश)। महासमुंद विकासखंड में खेल प्रतिभाओं की चमकती झलक देखने को मिली जब विकासखंड स्तरीय टेबल टेनिस, लॉन टेनिस, सॉफ्ट टेनिस, स्क्वैश, तलवारबाजी और रग्बी जैसी विविध खेल प्रतियोगिताएं सफलता पूर्वक संपन्न हुईं। यह आयोजन न केवल खेलों की विविधता को दर्शाता है, बल्कि जिले में उभरती खेल संस्कृति की मजबूत नींव को भी रेखांकित करता है।

प्रतियोगिताएं अलग-अलग स्थानों पर आयोजित की गईं। फॉरेस्ट ग्राउंड में लॉन टेनिस, सॉफ्ट टेनिस एवं स्क्वैश जैसे कोर्ट खेलों का आयोजन हुआ, वहीं टेबल टेनिस और तलवारबाजी की रोमांचक भिड़ंत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, भोरिंग में देखी गई। दूसरी ओर, रग्बी जैसे चुनौतीपूर्ण खेल का आयोजन तुमगांव खेल मैदान में किया गया, जहाँ खिलाड़ियों की ताकत, रणनीति और टीम भावना का बेहतरीन संगम देखने को मिला। इस प्रतियोगिता में भोरिंग, बेमचा, बेलसोंडा, डीएमएस, पब्लिक स्कूल तुमगांव, स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल तुमगांव, तथा स्वामी आत्मानंद हिन्दी एवं अंग्रेजी माध्यम विद्यालय महासमुंद के खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सभी विद्यालयों के प्रतिभागियों ने अपने-अपने खेल में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया और खेलों के प्रति जिले के युवाओं का उत्साह चरम पर दिखा।

खेलों को सफल बनाने में जिला प्रशासन एवं खेल एवं युवा कल्याण विभाग, महासमुंद का सराहनीय योगदान रहा। खेल संसाधनों की उपलब्धता और आयोजनों के प्रभावी प्रबंधन ने खिलाड़ियों को राष्ट्रीय स्तर तक बढ़ने का आत्मविश्वास प्रदान किया है।

विकासखंड स्तर पर चयनित विजेता खिलाड़ियों को जिला शिक्षा अधिकारी विजय कुमार लहरें, खेल अधिकारी मनोज धृतलहरे, सहायक क्रीड़ा अधिकारी अंजलि बरमाल, विकासखंड शिक्षा अधिकारी लीलाधर सिंहा, सहायक विकासखंड शिक्षा अधिकारी हिना ढालेन एवं प्राचार्य बेमचा एस.आर. पाटकर ने जिला स्तरीय प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दीं।

इन प्रतियोगिताओं के सफल संचालन में व्यायाम शिक्षक डॉ. सुनील कुमार भोई, अंजनी साहू, डॉ. सेवन मानिकपुरी, कामता साहू, इंद्राणी भास्कर, डोलेश होता जैसे समर्पित शिक्षकों एवं अधिकारियों का योगदान उल्लेखनीय रहा। उनके कुशल मार्गदर्शन और सतत प्रयासों से ही यह आयोजन इतना भव्य और व्यवस्थित रूप में संपन्न हो सका।

खेलों के इस धमाकेदार आयोजन ने साबित कर दिया कि महासमुंद अब केवल शिक्षा और संस्कृति के लिए नहीं, बल्कि खेल प्रतिभाओं की पहचान और निर्माण के लिए भी एक नया केंद्र बन रहा है।

स्पॉन्सर ने भारत-पाकिस्तान डब्ल्यूसीएल सेमीफाइनल से नाम वापस लिया

देश पहले, बिजनेस बाद में

नई दिल्ली एजेंसी। वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स (डब्ल्यूसीएल) में इंडिया चैंपियंस और पाकिस्तान चैंपियंस के बीच सेमीफाइनल मैच 31 जुलाई को खेला जाना है, लेकिन मुकाबले पर सवालिया निशान है। टूर्नामेंट के टॉप स्पॉन्सर ने घोषणा की है कि वह डब्ल्यूसीएल में भारत-पाकिस्तान मैच से नहीं जुड़ेगा। डब्ल्यूसीएल के मेन स्पॉन्सर में से एक इजीमायट्रिप ने भारत-पाकिस्तान के बीच डब्ल्यूसीएल में खेले जाने वाले सेमीफाइनल मैच से नाम वापस ले लिया है।

कंपनी ने अपनी इस नीति को दोहराया है कि वह पाकिस्तान से जुड़े

किसी भी मैच में हिस्सा नहीं लेती। ट्रैवल-टेक कंपनी के सह-संस्थापक निशांत पिट्टी ने एक्स पोस्ट पर लिखा, हम टीम इंडिया चैंपियंस की वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स में शानदार प्रदर्शन के लिए सराहना करते हैं। आपने देश को गौरवान्वित किया है। हालांकि, पाकिस्तान के खिलाफ आगामी सेमीफाइनल कोई साधारण मैच नहीं है। आतंकवाद और क्रिकेट साथ-साथ नहीं चल सकते। हम भारत के साथ खड़े हैं। हम ऐसे किसी भी आयोजन का समर्थन नहीं कर सकते, जो आतंकवाद को बढ़ावा देने वाले देश के साथ संबंध सामान्य करने की कोशिश करता हो। उन्होंने आगे लिखा, भारत के लोगों ने अपनी बात रखी है और हम उनकी बात सुन रहे हैं। इजीमायट्रिप, डब्ल्यूसीएल में भारत-पाकिस्तान मैच से नहीं जुड़ेगा।

कुछ चीजें खेल से बड़ी होती हैं। देश पहले, बिजनेस बाद में। इससे पहले, भारतीय खिलाड़ियों और एक प्रमुख टूर्नामेंट स्पॉन्सर के कड़े विरोध के बाद, भारत-पाकिस्तान की टीमों के बीच लीग चरण का मुकाबला आधिकारिक तौर पर रद्द कर दिया गया था। पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 26 लोग मारे गए, जिसने दोनों देशों के बीच सैन्य तनाव बढ़ा दिया। इजीमायट्रिप की ओर से जारी बयान में कहा गया, हालांकि इजीमायट्रिप ने डब्ल्यूसीएल के साथ 5 साल का स्पॉन्सरशिप एग्रीमेंट किया है, लेकिन हमारा रुख हमेशा से स्पष्ट रहा है।

हम पाकिस्तान से जुड़े किसी भी डब्ल्यूसीएल मुकाबले में न तो हिस्सा लेंगे और न ही उससे जुड़ा रहेंगे। हम गर्व के साथ इंडिया चैंपियंस टीम का समर्थन जारी रखेंगे, लेकिन किसी भी ऐसे मैच का समर्थन या प्रचार नहीं करेंगे, जिसमें पाकिस्तान शामिल हो। यह स्थिति डब्ल्यूसीएल टीम को शुरू से ही स्पष्ट रूप से बता दी गई थी।

सीएएफए नेशंस कप खेलेगी भारतीय पुरुष फुटबॉल टीम

नई दिल्ली, एजेंसी। एएफसी एशियन कप 2027 क्वालीफायर्स के फाइनल राउंड की तैयारी के तहत भारत की सीनियर पुरुष फुटबॉल टीम सेंट्रल एशियन फुटबॉल एसोसिएशन (सीएएफए) नेशंस कप 2025 में हिस्सा लेगी। यह टूर्नामेंट 31 अगस्त से 8 सितंबर तक आयोजित किया जाएगा। सेंट्रल एशियन फुटबॉल एसोसिएशन ने भारत को इस टूर्नामेंट में हिस्सा लेने के लिए आमंत्रित किया है। दरअसल, यह टूर्नामेंट फीफा के आधिकारिक कैलेंडर से बाहर है और मलेशिया ने लॉजिस्टिक्स संबंधी चुनौतियों और खिलाड़ियों की अनुपलब्धता के चलते इसमें हिस्सा लेने से इनकार कर दिया, जिसके बाद भारत को आमंत्रित किया गया।

भारत को उज्बेकिस्तान और ताजिकिस्तान की तरफ से संयुक्त रूप से आयोजित द्विवार्षिक सेंट्रल एशियन टूर्नामेंट में शामिल किया गया। उसे ग्रुप-बी में रखा गया है, जो दुशांबे में खेला जाएगा। भारत 29 अगस्त को मेजबान ताजिकिस्तान, 1 सितंबर को ईरान और 4 सितंबर को अफगानिस्तान से खेलेगा।

प्रत्येक ग्रुप से शीर्ष दो टीमें प्ले-ऑफ चरण में पहुंचेंगी, जहां 8 सितंबर को दो मैच खेले जाएंगे। तीसरे स्थान का मैच दो ग्रुप उपविजेताओं के बीच दुशांबे में खेला जाएगा, जबकि दो ग्रुप विजेता टीमें ताशकंद में फाइनल खेलेंगी। उज्बेकिस्तान ग्रुप-ए की मेजबानी करेगा, जिसे ताशकंद में किर्गिज गणराज्य, तुर्कमेनिस्तान और ओमान के साथ रखा गया है। सीएएफए के छह सदस्य हैं: अफगानिस्तान, इस्लामी गणराज्य ईरान, किर्गिज गणराज्य, ताजिकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान और उज्बेकिस्तान। ओमान और भारत सीएएफए नेशंस कप के दूसरे संस्करण के लिए आमंत्रित दो टीमें हैं। ईरान गत विजेता है, जिसने 2023 के फाइनल में उज्बेकिस्तान को 1-0 से शिकस्त दी थी। भारत को एएफसी एशियन कप क्वालीफायर्स के फाइनल राउंड के अपने शुरुआती मैच में हांगकांग के खिलाफ 0-1 से हार का सामना करना पड़ा। भारत के शेष चार मैच सिंगापुर के खिलाफ (क्रमशः 9 और 14 अक्टूबर), बांग्लादेश के खिलाफ (18 नवंबर) और चीन के खिलाफ (31 मार्च 2026) घरेलू मैदान पर होंगे।

एशिया कप फुटबॉल:

भारत महिला एशियाई कप के ग्रुप सी में, जापान-वियतनाम और चीनी ताइपे अन्य टीमें

नई दिल्ली, एजेंसी। जापान ने 2011 में महिला विश्व कप जीता था। वह अभी विश्व रैंकिंग में सातवें स्थान पर है जो एशियाई टीमों में सर्वश्रेष्ठ है। वियतनाम की विश्व रैंकिंग 37 जबकि चीनी ताइपे की 42 है। भारत वर्तमान में विश्व में 70वें स्थान पर है। भारत को अगले साल ऑस्ट्रेलिया में होने वाले एएफसी महिला एशियाई कप फुटबॉल टूर्नामेंट के ग्रुप सी में जापान, पूर्व चैंपियन चीनी ताइपे और वियतनाम के साथ रखा गया है। एक से 21 मार्च, 2026 तक चलने वाले 12 टीमों के इस टूर्नामेंट के लिए ड्रॉ मंगलवार को सिडनी टाउन हॉल में आयोजित किये गए, जिसमें भारतीय मिडफील्डर संगीता बासफोर तीन ड्रॉ सहायकों में से एक थीं। प्रतियोगिता में भाग लेने वाली 12 टीमों को चार-चार टीमों के तीन ग्रुप में बांटा गया है। भारतीय टीम अपने अभियान की शुरुआत चार मार्च, 2026 को पर्थ रेक्टेंगुलर स्टेडियम में वियतनाम के खिलाफ मैच से करेगी। इसके बाद भारत सात मार्च को इसी मैदान पर जापान से और फिर 10 मार्च को वेस्टर्न सिडनी स्टेडियम में चीनी ताइपे से भिड़ेगा। प्रत्येक ग्रुप से शीर्ष दो टीमें और तीसरे स्थान पर रहने वाली दो सर्वश्रेष्ठ टीमें क्वार्टर-फाइनल में जगह बनाएंगी। सेमीफाइनल में पहुंचने वाली चारों टीम को ब्राजील में 2027 में होने वाले महिला विश्व कप में जगह मिलेगी, जबकि क्वार्टर फ़ाइनल में हारने वाली टीमें प्लेऑफ में पहुंचेंगी, जहां इस वैश्विक प्रतियोगिता में जगह बनाने के लिए दो और स्थान दांव पर होंगे।

जापान ने 2011 में महिला विश्व कप जीता था। वह अभी विश्व रैंकिंग में सातवें स्थान पर है जो एशियाई टीमों में सर्वश्रेष्ठ है। वियतनाम की विश्व रैंकिंग 37 जबकि चीनी ताइपे की 42 है। भारत वर्तमान में विश्व में 70वें स्थान पर है और इस तरह से वह ग्रुप में सबसे कम रैंकिंग वाली टीम है। भारत के मुख्य कोच क्रिस्पिन छेत्री ने अखिल भारतीय फुटबाल महासंघ (एआईएफएफ) की विज्ञप्ति में कहा, मुझे लगता है कि हमारा ग्रुप काफी दिलचस्प है, लेकिन साथ ही काफी पेचीदा भी है। जापान एशिया की सर्वश्रेष्ठ टीम है।

भारत बनाम इंग्लैंड:

अगर पांचवां टेस्ट नहीं खेले जसप्रीत बुमराह, तो कुछ ऐसी हो सकती है प्लेइंग इलेवन

नई दिल्ली, एजेंसी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें टेस्ट में नहीं खेलेंगे। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की मेडिकल टीम ने वर्कलोड को ध्यान में रखते हुए उन्हें इस मैच में नहीं खेलने की सलाह दी है। बुमराह ने इस सीरीज में अब तक तीन मैचों में 14 विकेट लिए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक पांच मुकाबलों की सीरीज में भारत के 1-2 से पिछड़ने के बावजूद, टीम मैनेजमेंट और चयनकर्ताओं ने मूल योजना के अनुसार ही आगे बढ़ने का फैसला किया है। सीरीज से पहले ही स्पष्ट कर दिया गया था कि बुमराह पांच में से सिर्फ तीन ही टेस्ट खेलेंगे। बुमराह ने हेडिंग्ले में पहला टेस्ट खेला, लेकिन एजबेस्टन में दूसरा टेस्ट नहीं खेले।

इसके बाद लॉर्ड्स और ओल्ड ट्रैफर्ड में खेले गए मुकाबले में बुमराह मैदान पर उतरे। बीसीसीआई की मेडिकल टीम ने बुमराह को बताया कि उन्हें इस सुझाव पर विचार करना चाहिए, क्योंकि यह उनकी पीठ की सुरक्षा और दीर्घकालिक भविष्य को ध्यान में रखते हुए है। बुमराह इस सीरीज में धीमी और सपाट पिचों पर गेंदबाजी के लिए मजबूर हुए, जिससे उनका वर्कलोड बढ़ गया। चौथे टेस्ट में उन्होंने 33 ओवर गेंदबाजी की, जिसमें 112 रन देकर दो विकेट लिए। बीसीसीआई की मेडिकल टीम का मानना है कि उन्हें आराम देने से लंबे समय में फायदा होगा। अगर जसप्रीत बुमराह निर्णायक टेस्ट में नहीं उतरते, तो मोहम्मद सिराज तेज गेंदबाजी को लीड करते नजर आ सकते हैं। जसप्रीत बुमराह के स्थान पर अर्शदीप सिंह को टेस्ट में डेब्यू का मौका मिल सकता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक अर्शदीप हाथ की चोट से उबर गए हैं। अगर आकाश दीप फिट रहे, तो इस जोड़ी का साथ दे सकते हैं।

ऋषभ पंत चोटिल होने के बाद सीरीज के अंतिम मैच से बाहर हो चुके हैं। उनके स्थान पर भले ही एन जगदीशन को टीम में शामिल किया गया, लेकिन अंतिम एकादश में दाएं हाथ के विकेटकीपर-बल्लेबाज ध्रुव जुरेल नजर आ सकते हैं। दूसरी ओर, अंशुल कंबोज और शार्दुल ठाकुर को प्लेइंग इलेवन से बाहर रखा जा सकता है। कुलदीप यादव भी प्रैक्टिस सेशन में जमकर पसीना बहाते नजर आए हैं। तेज गेंदबाज शार्दुल ठाकुर के स्थान पर इस स्पिनर को मौका दिया जा सकता है।

पांचवें टेस्ट के लिए भारत की संभावित प्लेइंग इलेवन को देखा जाए, तो यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल बतौर सलामी बल्लेबाज नजर आएंगे, जबकि साई सुदर्शन और कप्तान शुभमन गिल बल्लेबाजी को मजबूती देंगे। विकेटकीपिंग का जिम्मा ध्रुव जुरेल के पास हो सकता है। रवींद्र जडेजा और वॉशिंगटन सुंदर गेंद और बल्ले से अपनी चमक बिखरने में सक्षम हैं। तेज गेंदबाजी का भार आकाश दीप, अर्शदीप सिंह और मोहम्मद सिराज के कंधों पर डाला जा सकता है, जबकि कुलदीप यादव को स्पिन विभाग की जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है।

अभिषेक शर्मा साथी ओपनर को पीछे छोड़ बने नंबर-1 बल्लेबाज

नई दिल्ली, एजेंसी। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने बुधवार (30 जुलाई) को मेंस क्रिकेट की अपडेटेड रैंकिंग जारी की। टी20 रैंकिंग में अभिषेक शर्मा नंबर-1 बल्लेबाज बन गए। उन्होंने ट्रेविस हेड को पीछे छोड़ा। दोनों इंडियन प्रीमियर लीग में सनराइजर्स हैदराबाद के लिए ओपनिंग करते हैं। अभिषेक शर्मा टी20 रैंकिंग में नंबर-1 बल्लेबाज बनने वाले भारत के तीसरे खिलाड़ी हैं। इससे पहले विराट कोहली और सूर्यकुमार यादव नंबर-1 बल्लेबाज बने थे।

मकाऊ ओपन बेडमिंटन:

आयुष शेट्टी मकाऊ ओपन के क्वार्टर फाइनल में, ध्रुव-तनिषा भी अगले दौर में पहुंचे

मकाऊ, एजेंसी। विश्व के 31वें नंबर के खिलाड़ी शेट्टी ने 66वीं रैंकिंग वाले हुआंग को केवल 31 मिनट में 21-10, 21-11 से हराकर बाहर का रास्ता दिखाया। भारत के युवा खिलाड़ी सातवें वरीय आयुष शेट्टी ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए बुधवार को यहां चीनी ताइपे के हुआंग यू काई को सीधे गेम में हराकर मकाऊ ओपन बीडब्ल्यूएफ सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। विश्व के 31वें नंबर के खिलाड़ी शेट्टी ने 66वीं रैंकिंग वाले हुआंग को केवल 31 मिनट में 21-10, 21-11 से हराकर बाहर का रास्ता दिखाया।

मिश्रित युगल में विश्व में 18वें स्थान पर काबिज और यहां पांचवीं वरीयता प्राप्त ध्रुव कपिला और तनिषा क्रैस्टो की जोड़ी भी आगे बढ़ने में सफल रही। इस

भारतीय जोड़ी ने थाईलैंड के रत्चपोल मक्कासितोर्न और नट्टामोन लाइसुआन को 26 मिनट तक चले मुकाबले में 21-10, 21-15 से हराया।

पुरुष एकल में सतीश कुमार करुणाकरण का सफर समाप्त हो गया। उन्हें प्री-क्वार्टर फाइनल में मलेशिया के जस्टिन होह से 37 मिनट में 19-21, 12-21 से हार का सामना करना पड़ा।

डब्ल्यूसीएल:

बिन्नी-पठान की तूफानी पारी, इंडिया चैंपियंस ने वेस्टइंडीज चैंपियंस को हरा सेमीफाइनल में बनाई जगह

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडिया चैंपियंस ने मंगलवार (29 जुलाई) को वेस्टइंडीज चैंपियंस को वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स 2025 के आखिरी लीग मैच में हराकर सेमीफाइनल में जगह बना ली। इंडिया चैंपियंस को सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए 14.1 ओवर में 145 का लक्ष्य हासिल करना था। इंडिया चैंपियंस ने 13.2 ओवर में लक्ष्य को हासिल कर लिया। स्टुअर्ट बिन्नी ने बेहतरीन अर्धशतक जड़ा। इसके अलावा यूसुफ पठान ने बेहतरीन पारी खेली। स्टुअर्ट बिन्नी ने 21 गेंद पर नाबाद 50 रन बनाए। उन्होंने 3 चौके और 4 छक्के लाए। यूसुफ पठान ने 7 गेंद पर 1 चौके और 2 छक्कों की मदद से 21 रन बनाए। पठान ने विनिंग सिक्स लगाया और अपने बच्चों की तरफ दौड़ पड़े। उन्हें गले लगा लिया। सेमीफाइनल में पाकिस्तान चैंपियंस, साउथ अफ्रीका चैंपियंस और ऑस्ट्रेलिया चैंपियंस ने जगह बनाई।

इंडिया चैंपियंस की शुरुआत तेज नहीं हुई

वेस्टइंडीज चैंपियंस ने पहले बल्लेबाजी करते हुए कीरोन पोलार्ड की तूफानी पारी की मदद से 20 ओवर में 9 विकेट पर 144 रन बनाए। जवाब में इंडिया चैंपियंस की शुरुआत बहुत तेज नहीं हुई। रॉबिन उथप्पा और शिखर धवन ने पहले विकेट के लिए 3.2 ओवर में 27 रन जोड़े। उथप्पा 7 गेंद पर 8 रन बनाकर आउट हो गए। शिखर धवन 18 गेंद पर 25 रन बनाकर आउट हुए। इंडिया चैंपियंस का स्कोर 4.4 ओवर में 2 विकेट पर 36 रन हो गया।

बिन्नी और युवराज के बीच 66 रन की साझेदारी

इंडिया चैंपियंस को तीसरा झटका 6.3 ओवर में 50 रन पर लगा। गुरकीरत सिंह मान 7 रन बनाकर आउट हए। सुरेश रैना 7 रन बनाकर आउट हुए। इंडिया चैंपियंस का स्कोर 7.1 ओवर में 4 विकेट पर 52 रन हो गया। इसके बाद स्टुअर्ट बिन्नी और युवराज सिंह के बीच 66 रन की साझेदारी हुई। युवराज 11 गेंद पर 21 रन बनाकर आउट हुए। तब इंडिया चैंपियंस का स्कोर 11.4 ओवर में 5 विकेट पर 118 रन हो गया। इसके बाद यूसुफ पठान क्रीज पर आए और बेहतरीन बल्लेबाजी की। वेस्टइंडीज चैंपियंस के लिए ड्वेन स्मिथ और ड्वेन ब्रावो ने 2-2 विकेट लिए। शेल्डन कोट्रल ने 1 विकेट लिए।

कैनेडियन ओपन:

गॉफ ने कोलिन्स को हराया, इतो ने पाओलिनी को शिकस्त दी

मॉन्ट्रियल, एजेंसी। टॉप सीड कोको गॉफ ने कैनेडियन ओपन में डेनिएल कोलिन्स के खिलाफ लगभग तीन घंटे चले कड़े मुकाबले में जीत हासिल की। इसी के साथ उन्होंने जून में रोलां गैरो जीतने के बाद पहला मैच अपने नाम किया। गॉफ तीसरे सेट में हार से

सिर्फ दो अंक दूर थीं, लेकिन उन्होंने पासा पलटते हुए आखिरकार 7-5, 4-6, 7-6(2) से जीत दर्ज की।

कोलिन्स ने आखिरी 80 मिनटों में पिछड़ने के बाद वापसी की, लेकिन वह कभी भी मैच प्वाइंट तक नहीं पहुंच सकीं और अंतिम 11 में से 9 अंक गंवा बैठीं। यह मुकाबला आईजीए स्टेडियम में खेला गया। मुकाबला जीतने के बाद कोको गॉफ ने कहा, मैं अच्छी प्रैक्टिस कर रही थी, लेकिन मुझे नहीं लगता कि इस मैच में उस तैयारी के अनुरूप खेल सकी। उम्मीद है कि मैंने टूर्नामेंट का अपना खराब मैच जीत लिया है। डेनिएल शानदार बॉल स्ट्राइकर हैं। मैंने जितनी बार उनकी सर्विस ब्रेक की, उससे मुझे कुछ सकारात्मक बातें सीखने को मिलेंगी। अब गॉफ का अगला मुकाबला पूर्व टॉप-10 खिलाड़ी वेरोनिका कुडरमेतोवा से होगा।

द. अफ्रीका के खिलाफ सीमित ओवरों की श्रृंखला के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम की घोषणा

कैनबरा,एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आगामी टी20आई और वनडे श्रृंखला के लिए 14 सदस्यीय टीम की घोषणा की है। बाएं हाथ के बल्लेबाज ट्रैविस हेड और दाएं हाथ के तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड की राष्ट्रीय टीम में वापसी हुई है। ऑलराउंडर मैट शॉर्ट की भी टीम में वापसी हुई है, जबकि आक्रामक बल्लेबाज मिच ओवेन वेस्टइंडीज के खिलाफ कुछ प्रभावशाली प्रदर्शनों के बाद दोनों टीमों में शामिल होने के बाद अपने वनडे पदार्पण की दौड़ में हैं।

नियमित वनडे कप्तान पैट कमिंस साल के अंत में व्यस्त घरेलू कार्यक्रम के कारण टीम से बाहर रहेंगे, मिशेल मार्श कार्यवाहक वनडे कप्तान बने रहेंगे जबकि उनके साथी तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क को भी इस श्रृंखला से आराम दिया गया है। वेस्टइंडीज श्रृंखला के बाद शॉन एबॉट, जेक फ्रेजर-मैकगर्क, तनवीर संघा, कूपर कोनोली और आरोन हार्डी उन खिलाड़ियों में शामिल हैं जिनकी टीम से छुट्टी हो गई है। मुख्य चयनकर्ता जॉर्ज बेली ने संकेत दिया है कि टीम अगले साल भारत और श्रीलंका में होने वाले आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप के लिए तैयारी जारी रखेगी।

बेली ने आईसीसी के हवाले से कहा, जैसे-जैसे हम टी20 विश्व कप की ओर बढ़ रहे हैं, वेस्टइंडीज में दिखाई गई लचीलापन और गहराई, स्पष्ट परिणामों के अलावा, एक बहुत बड़ी सकारात्मक बात रही है।

बल्लेबाजी क्रम में लचीलापन और गेंदबाजों की पारी के विभिन्न चरणों में गेंदबाजी करने की क्षमता विशेष रूप से देखने लायक थी। मिच ओवेन और मैट कुहनेमैन ने अपने-अपने पदार्पण किए और नाथन एलिस द्वारा की गई तैयारी और मेहनत उन्हें सभी 5 मैच खेलने का मौका देने के लिए मुख्य आकर्षण थे।

बॉलीवुड एक्टर सुनील शेट्टी पिछले दिनों अपने बयानों को लेकर काफी चर्चा में रहे हैं। एक तरफ सुनील शेट्टी ने अपनी बेटी की डिलीवरी को लेकर यह कह दिया था कि कैसे उन्होंने सी-सेक्शन की बजाए नॉर्मल डिलीवरी को चुना। वहीं दूसरी तरफ उनका यह कहना कि पतियों को करियर बनाने पर फोकस करना चाहिए, लोगों को खटक गया। सुनील शेट्टी के ये बयान और इन पर लोगों का रिएक्शन इंटरनेट पर काफी चर्चा में रहा।

सुनील शेट्टी को लगता है बेटी अथिया से डर

अब एक हालिया बातचीत में एक्टर ने बताया है कि कैसे उन्हें इन बयानों के लिए उनकी बेटी अथिया शेट्टी से डांट पड़ी। सुनील शेट्टी ने बताया कि उनकी बेटी अथिया उनके हर फैसले, हर बयान पर नजर रखती है और उन्हें समझाती रहती है कि विवादों से दूर रहें। सुनील शेट्टी ने जूम के साथ बातचीत में बताया, मैं प्रमोशनल इवेंट्स में विवादित सवालों से बचने की कोशिश करता हूं। मैं उस तरह का इंसान हूं जो कई बार जवाब देने की कोशिश करता है, लेकिन फिर खुद ही फंस जाता है। और उधर घर पर अथिया कह रही होती है, 'पापा आप बात क्यों करते हो? बस कह दिया करो 'नो कमेंट्स'।' वह मुझे याद दिलाती है कि कुछ भी ऐसा नहीं बोलना है जिससे अगले दिन मुश्किल खड़ी हो जाए। सुनील शेट्टी ने कहा, वो मेरे सभी इंटरव्यू देखती है, और ईमानदारी से कहूं तो वह इकलौती है जिससे मुझे डर लगता है। किसी आदमी के लिए जो सबसे अच्छी चीज हो सकती है, वो है उसके पास एक बेटी का होना।' सुनील शेट्टी ने पिंकविला के साथ बातचीत में कहा था कि एक पत्नी को अपने पति के करियर और बच्चे को लेकर जरूरतें समझनी चाहिए। एक्टर ने कहा, शादी एक वक्त के बाद समझौता हो जाती है, जहां आपको एक दूसरे को समझना पड़ता है। फिर एक बच्चा जिंदगी में आता है, और पत्नी को समझना चाहिए कि अगर पति करियर पर फोकस कर रहा है तो उसे बच्चे की देखभाल पर ध्यान देना चाहिए।

सारा अली खान के लेटेस्ट वीडियो ने गॉसिप गलियारों में उनके अफेयर के चर्चे तेज कर दिए हैं। वीडियो में सारा गुरुद्वारे से बाहर आ रहे हैं। उनके साथ मॉडल अर्जुन प्रताप सिंह बजवा हैं। कई पैप्स अकाउंट पर यह वीडियो शेयर किया गया है, साथ ही दावा किया जा रहा है कि अर्जुन सारा अली खान के नए बॉयफ्रेंड हैं।

सारा अली खान

बीजेपी लीडर के बेटे को कर रहीं डेट?

सारा अली खान का यह वीडियो दिल्ली गुरुद्वारे का बताया जा रहा है। सड़क पर अंधेरा दिख रहा है। सारा वाइट कलर का प्लाजो सूट पहने हैं। उन्होंने सिर पर दुपट्टा ओढ़ा है। उनके साथ अर्जुन प्रताप बजवा हैं। सारा कार में बैठते हैं उनके पीछे अर्जुन भी आते हैं। अर्जुन ने ब्लैक बैगी पैंट्स और ब्लैक-वाइट टीशर्ट पहन रखी है। सिर पर रुमाल भी बांधा है। दोनों को साथ देखकर सोशल मीडिया पर तरह-तरह के चर्चे हैं। सारा और अर्जुन की तरफ से कोई ऑफिशियल स्टेटमेंट नहीं है। हालांकि लोगों को लग रहा है कि दोनों रिलेशनशिप में हैं। दरअसल इससे पहले सारा और अर्जुन का एक वीडियो केदारनाथ से वायरल हो चुका है। तब भी अर्जुन प्रताप बजवा सुर्खियों में आए थे। अर्जुन प्रताप बजवा मॉडल हैं। वह पॉलिटीशियन फतेह जंग सिंह बजवा के बेटे हैं, जो कि पंजाब में भारतीय जनता पार्टी के उपाध्याक्ष हैं।

आशुतोष राणा को राम बने देखना चाहते हैं उनके फैंस

नितेश तिवारी के डायरेक्शन में बन रही रामायण इस समय की सबसे चर्चित फिल्म है। फिल्म में रणबीर कपूर राम, साई पल्लवी सीता और यश रावण के किरदार में नजर आने वाले हैं। फिल्म फिलहाल पोस्ट-प्रोडक्शन में है। अब इस बीच एक्टर आशुतोष राणा अपने एक नाटक 'हमारे राम' की वजह से खबरों में बने हैं। इस नाटक में एक्टर रावण की भूमिका में नजर आने वाले हैं। लेकिन एक्टर के फैंस उन्हें रणबीर की जगह राम बने देखना चाहते हैं। ऐसे में एक्टर ने अपने किरदार और फैंस की पसंद के बारे में बात की। बॉलीवुड बबल के साथ बातचीत में जब फैंस की उस डिमांड पर सवाल पूछा गया कि वो उन्हें भगवान राम के रोल में देखना चाहते थे, तो एक्टर ने ने शानदार जवाब देकर अपने फैंस का दिल जीत लिया। एक्टर ने कहा, जो आपके भाग्य में लिखा है, वो आपको जरूर मिलेगा।" आशुतोष राणा ने कहा, "मेरा मानना है कि जो चीज आपके प्रारंभ में या आपके भाग्य में भगवान ने लिखी होगी, वो अपने आप मिल जाती है। आप सिर्फ एक जगह बैठकर, ध्यान लगाकर प्रतीक्षा कीजिए। प्रतीक्षा और धैर्य अगर सही जगह पर किया जाए, तो फल भी जरूर मिलता है। मैं यह मानता हूं कि हमारा एक नाटक है, राम नाम के नाटक में मैं रावण का किरदार निभा रहा हूं।" आशुतोष राणा अब ऋतिक रोशन की वॉर 2 में दमदार किरदार में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म में उनके साथ जूनियर एनटीआर और कियारा आडवाणी जैसे एक्टर्स भी नजर आएंगे। अयान मुखर्जी के डायरेक्शन में बनी ये स्पाई थ्रिलर 14 अगस्त को थिएटर में दस्तक देने वाली है।

अनिरुद्धाचार्य पर भड़कीं दिशा पाटनी की बहन खुश्बू

बोलीं- अगर ये मेरे सामने होता तो...

दिशा पाटनी की बहन खुश्बू पाटनी एक्स आर्मी ऑफिसर हैं। वह सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और अब उन्होंने एक वीडियो शेयर किया है जिसमें वह अनिरुद्धाचार्य महाराज पर गुस्सा जाहिर कर रही हैं। दरअसल, कुछ दिनों पहले अनिरुद्धाचार्या महाराज ने लड़कियों को लेकर एक विवादित कमेंट किया था जिससे खुश्बू को काफी गुस्सा आया और उन्होंने सबसे कहा कि बाबा को सपोर्ट ना करें। खुश्बू बोलती हैं कि कहता है, 'लड़के लाते हैं 25 साल की लड़कियों को जो 4-5 जदह मुंह मारकर आती हैं। अगर ये मेरे सामने होता तो मैं इसको समझा देती कि मुंह मारना क्या होता है। ये सब एंटी नेशनलिस्ट हैं। आप लोगों को ऐसे बाबा को सपोर्ट नहीं करना चाहिए।' खुश्बू ने आगे कहा, 'सारे सोसाइटी के नामर्द इसे फॉलो करते हैं। वह कहता है कि लड़कियां जो लिव इन में रहती हैं, मुंह मारकर आती हैं। उसने ये क्यों नहीं बोला कि लड़के जो लिव इन में रहते है वो मुंह मारते हैं? क्या लड़की अकेले लिव इन में रहती हैं और लिव इन में रहना क्या गलत है भैया?' अनिरुद्धाचार्य ने कहा था कि लड़कियों की शादी 25 साल से पहले ही होनी चाहिए। अगर लड़कियों की शादी देर से होती है तो उनके 4-5 बॉयफ्रेंड बन जाते हैं तब तक। आज कल सोशल मीडिया के चलते लड़कियों के जीवन में स्थिरता कम हो रही है इसलिए माता-पिता समय रहते बेटियों की शादी कर लेनी चाहिए। सब ऐसी नहीं होतीं पर बहुत हैं। जब जवान होकर आएगी तो स्वभाविक है कि उसकी जवानी कहीं फिसल जाएगी। बता दें कि कुछ महीने पहले खुश्बू तब काफी चर्चा में आए थे जब उन्होंने एक छोटी बच्ची को बचाया था जिसे उसके पैरेंट्स ने कहीं छोड़ दिया था। वह बच्ची को अस्पताल लेकर गई थीं और उसका ट्रीटमेंट करवाया।

'सैयारा' के लिए अनीत पड्डा और अहान पांडे नहीं थे पहली पसंद

मोहित सूरी की फिल्म 'सैयारा' बॉक्स ऑफिस पर खूब गदर मचा रही है। एक के बाद एक रिकॉर्ड तोड़े जा रही है और छप्परफाड़ कमाई कर रही है। इसने अहान पांडे और अनीत पड्डा को भी रातोंरात स्टार बना दिया है। अब तो हर तरफ कृष और वाणी के ही चर्चे हैं। ये वो किरदार हैं, जो अहान और अनीत ने 'सैयारा' में निभाए हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि अहान पांडे और अनीत पड्डा, दोनों ही 'सैयारा' के लिए पहली पसंद नहीं थे? उनकी जगह बॉलीवुड के एक पॉपुलर कपल को अप्रोच किया गया था। फिर कैसे अहान और अनीत की 'सैयारा' में एंट्री हुई और वो कपल कौन था, यहां बता रहे हैं।

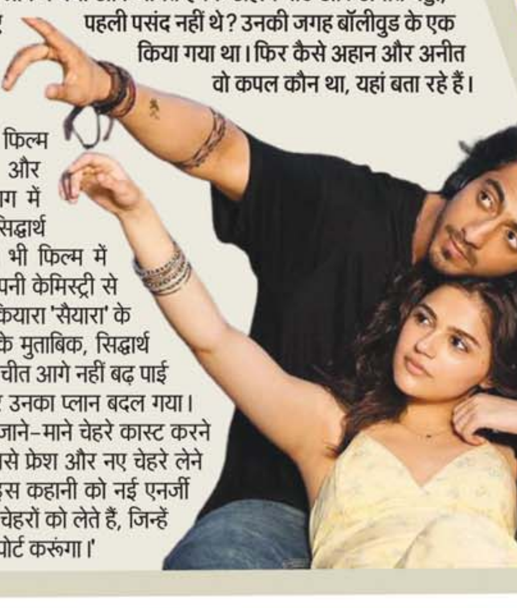

'स्कूप' की रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म 'सैयारा' के लिए मोहित सूरी और प्रोड्यूसर आदित्य चोपड़ा के दिमाग में पहले बड़े स्टार्स के नाम थे। उन्होंने सिद्धार्थ मल्होत्रा और कियारा आडवाणी को भी फिल्म में लेने का मन बनाया था। 'शेरशाह' में अपनी केमिस्ट्री से दर्शकों का दिल जीतने वाले सिद्धार्थ और कियारा 'सैयारा' के लिए मेकर्स की पहली पसंद थे। रिपोर्ट्स के मुताबिक, सिद्धार्थ मल्होत्रा और कियारा आडवाणी के साथ बातचीत आगे नहीं बढ़ पाई और इसलिए 'सैयारा' की कास्टिंग को लेकर उनका प्लान बदल गया। मोहित सूरी ने बताया कि वह 'सैयारा' के लिए जाने-माने चेहरे कास्ट करने के बारे में सोच रहे थे, पर आदित्य चोपड़ा ने उनसे फ्रेश और नए चेहरे लेने को कहा। वह बोले, 'आदित्य चोपड़ा ने कहा कि इस कहानी को नई एनर्जी की जरूरत है। नए कलाकारों को लेते हैं...ऐसे नए चेहरों को लेते हैं, जिन्हें दर्शकों ने पहले नहीं देखा है। मैं इस फिल्म को पूरा सपोर्ट करूंगा।'

'बंदिश' के 15वें संस्करण की घोषणा

भारत का प्रमुख कला और संस्कृति संस्थान नेशनल सेंटर फॉर द परफॉर्मिंग आर्ट्स (एनसीपीए), एचएसबीसी इंडिया द्वारा समर्थित 1 से 3 अगस्त तक अपने वार्षिक भारतीय संगीत समारोह बंदिशः ए ट्रिब्यूट टू लीजेंडरी कंपोजर्स के 15वें संस्करण का गर्व से आयोजन कर रहा है।

पहले दिन की शुरुआत एनसीपीए एचएसबीसी इंडिया पार्टनरशिप द्वारा समर्थित कलाकारों द्वारा 'गुरु-शिष्य परंपरा' की परंपराओं पर प्रकाश डालने वाली विशेष प्रस्तुति के साथ होगी, जिसके बाद शौनक अभिषेकी और देवकी पंडित द्वारा साझा मंच प्रस्तुति दी जाएगी, इसमें प्रसिद्ध संगीतकार जितेंद्र अभिषेकी की रचनाएं शामिल होंगी, जिनमें ख्याल, दादरा, भजन और नाट्यगीत की विधाएं शामिल होंगी। इसके अलावा साजन मिश्रा और स्वरांश मिश्रा बनारस घराने के दिग्गज बड़े रामदास, छोटे रामदास और नानक प्रसाद मिश्रा की रचनाएँ प्रस्तुत करेंगे। दूसरे दिन कर्नाटक गायक टी.एम. कृष्णा द्वारा मुत्तुस्वामी दीक्षितार की रचनाओं के साथ एकल गायन होगा, जिनकी 250वीं जयंती इस वर्ष मनाई जा रही है। वह कीर्तन, रागमालिका और नोत्तुस्वर साहित्य प्रस्तुत करेंगे। तीसरे दिन का समापन प्रख्यात संगीतकार-निर्देशक आर.डी. बर्मन द्वारा रचित फिल्म संगीत की एक विशेष रूप से क्यूरेट की गई शाम होगी। जॉली मुखर्जी द्वारा क्यूरेट और प्रस्तुत की गई इस शाम में शैलेंद्र सिंह की विशेष उपस्थिति और प्रसिद्ध गायक आलोक कटदरे, श्रीकांत नारायण, विभावरी आप्टे जोशी और महालक्ष्मी अय्यर, 30 संगीतकारों के साथ प्रदर्शन करेंगे।

स्पार्च थियेटर ग्रुप ने किया नाटक का मंचन

आज और कल दो दिन लगातार विरूंगला केन्द्र की शाम नाटक की शाम रही। दोनों नाटक स्पार्च थियेटर ग्रुप द्वारा प्रस्तुत किए गए। कल कर्मा का मंचन पूरी तरह सफल रहा तो आज आधी रात के बाद का मंचन संतोषजनक रहा।

कल का नाटक जहाँ एक तरफ पति- पत्नी, माता-पिता, भाई- बहन, सास-बहू, मा-बेटा, माँ-बेटी, के साथ साथ मामा- भानजी के रिश्तों की परवाह करती एक नारी के संघर्ष की तस्वीर पेश करने में सफल रहा तो वहीं दूसरी तरफ आज के नाटक ने चोर और जज के अन्तर द्वंद को श्रोताओं तक पहुंचाने की कोशिश की। कल श्रोता भावुक थे, उनकी आंखें नम थी तो आज के नाटक ने उन्हें बताया कि बीस करोड़ की चोरी होने पर करोड़ पति ने चोर को एक करोड़ रूपये इसलिए दे दिए क्योंकि पकड़े जाने पर उसे सात करोड़ रुपये टैक्स में दे देना पड़ता। बडा चोर कौन है? नाटक ने श्रोताओं को यह सोचने के लिए विवश किया कि मामूली सी चोरी करने वाले चोर को वे घृणा की दृष्टि से देखते हैं, और पकड़े जाने पर उनके उपर हाथ साफ करने लगते हैं लेकिन जनता के पैसों को सरे आम लुटने वाले, घोटाला करने वाले, महंगी गाड़ी में चलने वालों को वह घृणा और तिरस्कार की नजर से नही देखते। पत्नी, माँ, बहन, बहू, ननद व बेटी की भूमिका का निर्वाह करती हुई खुशबू गुप्ता के अभिनय को श्रोताओं ने खूब सराहा। आज, नाटक के अंत में भागलपुर विश्वविद्यालय के भूतपूर्व हिंदी विभागाध्यक्ष प्रो श्याम दिवाकर, हृदयेश मयंक और आर एस विकल ने नाट्यशास्त्र के नजरिये से प्रस्तुति पर प्रकाश डाला।

आयशा खान को हुआ था इस एक्ट्रेस पर 'गर्ल क्रश'

सलमान खान होस्टेड रियलिटी टीवी शो 'बिग बॉस 17' का हिस्सा रह चुकीं एक्ट्रेस आयशा खान हाल ही में गौहर खान के पॉडकास्ट मनोरंजन का हिस्सा बनीं। बातचीत के दौरान आयशा ने अपने करियर और मनोरंजन जगत में अपने सफर के बारे में बताया, लेकिन साथ ही साथ उन्होंने इस शो के दौरान एक फैन गर्ल मोमेंट भी जिया। आयशा ने बताया कि कैसे वह गौहर के साथ पहली मुलाकात में ही उनसे इंप्रेस हो गई थीं और तभी से उन्हें एक तरह से गौहर पर एक 'गर्ल क्रश' जैसा हो गया था। आयशा ने जब गौहर खान की तारीफों के पुल बांधना शुरू किया तो एक्ट्रेस अपनी हंसी नहीं रोक पाईं।

बोलीं- उन्हें देखकर लगा काश मैं मर्द होती

आयशा खान ने कहा, 'मुझे याद है जब मैंने गौहर मैम को पहली बार साड़ी में सेट पर देखा था और मुझे लगा कि काश मैं एक (आदमी) मर्द होती... और मन ही मन यह प्रार्थना कर रही होती कि काश यह लड़की सिंगल हो।' इस पर गौहर खान हंसीं और फिर कहा, 'साथ ही उसका बच्चा भी नहीं हो। इस पर आयशा ने कहा- मुझे बच्चे से कोई दिक्कत नहीं है। बच्चे की बात पर कोई ऐतराज नहीं है।' आयशा और गौहर की इस बातचीत को लोगों ने खूब एन्जॉय किया। आयशा ने गौहर खान के बेटे जहान की भी तारीफ की और तब एक्ट्रेस ने बताया, 'मेरा बेटा सेट पर खूब अटेंशन लेता है और उसे बहुत प्यार मिलता है। इस पर आयशा ने कहा, 'उस लड़के का चार्म ही ऐसा है। यकीन ही नहीं होता। आप उसे देखिए और फिर आप सम्मोहित हो जाएंगे कि जैसे- ठीक है जैसा भी तुम कहो।' वर्क फ्रंट की बात करें तो आयशा खान हाल ही में 'दिल को रफू कर लें' नाम की सीरीज में नजर आई थीं। कहानी एक ऐसी लड़की की थी, जो प्यार में पड़कर लव मैरिज करना चाहती है, लेकिन किस्मत के तार कुछ ऐसे खिंचते हैं कि वो एक शादीशुदा शख्स की तरफ आकर्षित होने लगती है और फिर आखिरकार अरेंज मैरिज की तरफ चीजें बढ़नी शुरू हो जाती हैं।

रुपाली गांगुली ने महाकाल मंदिर में जाकर मांगी मन्नत

ट्रोल बोले- तुलसी आ गई, अब सफर

रुपाली गांगुली ने उज्जैन महाकाल दर्शन की तस्वीरें अपने इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। वह नंदी का कान में विश मांग रही हैं और शिव की पूजा कर रही हैं। इन फोटोज पर उनको फॉलो करने वालों ने कई तरह के कमेंट्स किए हैं। रुपाली गांगुली महाकाल की बड़ी भक्त हैं। सावन के सोमवार को वह उज्जैन दर्शन के लिए पहुंचीं।

उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर कई सारी तस्वीरें और वीडियोज पोस्ट किए हैं। इनमें वह नंदी के कान में विश मांग रही हैं और शिवजी की पूजा कर रही हैं। कुछ लोग कॉमेंट सेक्शन में लिख रहे हैं कि क्योंकि सास भी कभी बहू 2 शुरू होने का डर है। रुपाली गांगुली ने सावन के सोमवार पर इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं। इनमें वह उज्जैन के महाकाल मंदिर में थीं। रुपाली ने अपनी पूजा की कई सारे तस्वीरें फैन्स के साथ शेयर की हैं। तस्वीरों में वह पूजा कर रही हैं, प्रसाद ले रही हैं और नंदी के कान में विश भी मांग रही हैं। मंदिर में रुपाली ने घुटनों के बल शिवजी को प्रणाम किया। रुपाली के पोस्ट पर कई सारे रिएक्शंस दिख रहे हैं। एक फैन ने लिखा है, प्यारी मैम महाकाल आपको और आपके परिवार को खुशियों और प्यार का आशीर्वाद दें। सारी नेगेटिव चीजों से रक्षा करें। रुपाली के एक और फैन ने लिखा है, पॉजिटिव वाइब और खूबसूरत दैवीय दर्शन। शुक्रिया आपने सावन के सोमवार के दिन महाकाल के आलौकिक दर्शन करवाए। अनुपमा के एक फैन ने रुपाली के पोस्ट पर लिखा है, तोषू के लिए थोड़ी बुद्धि मांग लेना। रुपाली के साथ उनके पति अश्विन के वर्मा भी थे। कुछ लोग रुपाली को ट्रोल भी कर रहे हैं। एक ने लिखा है जितना भी पूजा कर लो अनुपमा जी आपका नया सफर अब नहीं चलेगा अब घर-घर तुलसी वापस आ चुकी है। अनुपमा स्टार प्लस का पॉप्युलर सीरियल है। अब स्टार प्लस पर 29 जुलाई से क्योंकि सास भी कभी बहू थी 2 शुरू हो रहा है। ऐसे में लोग दोनों सीरियल्स की तुलना कर रहे हैं। हालांकि एकता कपूर अनुपमा और राजन शाही की तारीफ करके बोल चुकी हैं कि दोनों शोज की तुलना ठीक नहीं है।

रजत जयंती वर्ष पर छुरा नगर में विशेष स्वच्छता अभियान की धूम

राजा तालाब से मुक्तिधाम तक तीन दिवसीय सफाई महाअभियान में जुटा पूरा शहर

छुरा (गंगा प्रकाश)। छत्तीसगढ़ राज्य के रजत जयंती वर्ष 2025-26 के उपलक्ष्य में नगर पंचायत छुरा ने एक विशेष स्वच्छता अभियान का आयोजन कर जन-जागरूकता और सहभागिता की अनूठी मिसाल पेश की। राज्य शासन के निर्देशानुसार 25वें स्थापना वर्ष को गौरवपूर्ण और जनसंपर्कयुक्त स्वरूप देने के उद्देश्य से 30 जुलाई से 1 अगस्त तक तीन दिवसीय विशेष स्वच्छता कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें नगर के सभी वर्गों की सक्रिय भागीदारी देखने को मिली।

तीन दिन, तीन स्थान ङ्क एक लक्ष्य: स्वच्छ छुरा, सुंदर छत्तीसगढ़- इस विशेष सफाई अभियान की शुरुआत बुधवार 30 जुलाई को नगर के ऐतिहासिक और आस्था से जुड़े राजा तालाब से हुई, जहां वार्ड क्रमांक 5 में तालाब की सभी पचरियों की गहन सफाई कर उन्हें कचरा, जलकुंभी और गंदगी से मुक्त किया गया। राजा तालाब की सफाई न सिर्फ पर्यावरणीय दृष्टि से अहम रही बल्कि नगरवासियों की सांस्कृतिक भावनाओं से भी जुड़ी हुई रही, जिससे अभियान को व्यापक समर्थन मिला।

गुरुवार 31 जुलाई को वार्ड क्रमांक 4 स्थित मुख्य बाजार परिसर में सफाई अभियान चलाया गया, जहां दुकानों के आसपास, गलियों और सार्वजनिक स्थलों पर व्यापक सफाई कर कचरे का निष्पादन किया गया। इस कार्य से बाजार क्षेत्र में स्वच्छता के साथ-साथ स्थानीय दुकानदारों व ग्राहकों में जागरूकता का माहौल बना।

अभियान का अंतिम चरण शुक्रवार 1 अगस्त को नगर के मुक्तिधाम परिसर में आयोजित होगा, जहाँ अंतिम संस्कार जैसे संवेदनशील स्थल को स्वच्छ और व्यवस्थित बनाए रखने का संकल्प नगर पंचायत ने लिया है।

नेतृत्व और सहभागिता: प्रशासन से लेकर नागरिकों तक- इस स्वच्छता अभियान में नगर पंचायत छुरा की अध्यक्ष श्रीमती लुकेश्वरी थानसिंह निषाद के नेतृत्व में जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों की उल्लेखनीय भूमिका रही। मुख्य नगर पालिका अधिकारी यमन, सभापति रजनी लहरे, बलराज पटेल, पार्षद शांतनु देवांगन, ट्रांसजेंडर समाज की प्रतिनिधि यामीन, दीप्ति यादव, दुलम बाई, निखिल साहू, लालू राठौर, अजय चंद्राकर, सुनीता चंद्राकर, लीना दुबे, वेदिका वासनिक, सहित कई जनप्रतिनिधियों ने श्रमदान कर मिशन को गति दी।

समाजसेवियों और कर्मचारियों की भी अहम भागीदारी- स्वच्छता अभियान में समाजसेवी शीतल ध्रुव, नारायण पटेल, पीआईयू विष्णु निर्मलकर, सहायक राजस्व निरीक्षक रामाधार यादव, कैशियर वीरेंद्र ठाकुर, लेखापाल जितेंद्र पाटकर, धनेश्वर नाग, मनोज दुबे, मिथलेश सिन्हा, कमलेश सिन्हा, शोएब अली, परमेश्वर सिन्हा, मेघराज यादव, दानेश्वर निर्मलकर, वेदप्रकाश मरकाम, अर्जूनधनंजय सिन्हा, कुलेश्वर सिन्हा, एवं स्वच्छता दीदियों की सक्रिय मौजूदगी से वातावरण कर्मठता और संकल्पशक्ति से ओतप्रोत हो गया।

जनसहभागिता बनी अभियान की आत्मा- इस महाअभियान में नगरवासियों ने भी बढ़-चढ़ कर भाग लिया। स्थानीय नागरिकों ने श्रमदान कर यह संदेश दिया कि स्वच्छता केवल सरकार या प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि यह हर नागरिक का नैतिक दायित्व है।

स्वच्छता से रजत जयंती का स्वागत- छत्तीसगढ़ राज्य की 25वीं वर्षगांठ पर नगर पंचायत छुरा का यह प्रयास निश्चित ही एक प्रेरणादायक पहल है, जो आने वाले समय में अन्य नगरीय निकायों और ग्रामीण अंचलों को भी स्वच्छता और सहभागिता के नए प्रतिमान स्थापित करने की दिशा में मार्गदर्शन देगा।

ऑपरेशन सिंदूर और ऑपरेशन महादेव भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा, आतंकवाद के खिलाफ हमारी दृढ़ता और सैन्य शक्ति का प्रतीक है: भावना बोहरा

(गंगा प्रकाश) कवर्धा। लोकसभा के मानसून सत्र में ऑपरेशन सिंदूर को लेकर काफी चर्चा हुई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी.नड्डा और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इसे नए व आत्मनिर्भर भारत एवं भारतीय सेना के शौर्य का प्रतीक बताया। इसी कड़ी में 28 जुलाई को श्रीनगर में ऑपरेशन महादेव के तहत एक संयुक्त अभियान में भारतीय सेना, सीआरपीएफ और जम्मू-कश्मीर पुलिस ने पहलगाम आतंकी हमले में शामिल तीन आतंकवादियों को ढेर कर दिया है। यह भारत के लिए एक बड़ी उपलब्धि रही और आतंकवाद के खिलाफकेंद्र की मोदी सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाया।

इस विषय पर पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि ऑपरेशन सिंदूर और ऑपरेशन महादेव भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा, आतंकवाद के खिलाफ हमारी दृढ़ता और सैन्य शक्ति का प्रतीक है। माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत ने पहलगाम हमले में देश के 26 निर्दोष लोगों का बदला लेने के लिए बड़े और कड़े कदम उठाए। भारत ने पाकिस्तान के अंदर घुसकर उनकी वहां छुपे आतंकवादी ठिकानों पर कड़ा प्रहार करके आतंकवाद के खिलाफ अपनी जीरो टॉलरेंस की नीति को स्पष्ट कर दिया। 28 जुलाई को ऑपरेशन महादेव में हमारे सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस बल के जवानों ने पहलगाम हमले को अंजाम देने वाले सुलैमान उर्फ फ़ैसल जट, अफ़गान और जिबरान नाम के आतंकियों को सेना, सीआरपीएफ़और पुलिस के संयुक्त अभियान में मार दिया गया है।

बैसरन घाटी के हमले में ये तीनों आतंकी शामिल थे और तीनों को मार दिया गया है, जिसके लिए सेना के पैरा फ़ोर्स, सीआरपीएफ़ और जम्मू कश्मीर पुलिस के जवानों को मैं बहुत-बहुत साधुवाद देती हूं। लेकिन दूसरी ओर विपक्ष के नेता सेना के इस शौर्य का सबूत मांग रहें हैं जो कि निंदनीय है। पाकिस्तान ने जब भी भारत पर आतंकवादी हमला कर यहां की शांति भंग करने व अराजकता फ़ैलाने का प्रयास किया प्रधानमंत्री श्री मोदी जी के नेतृत्व में हमारे सेना व पुलिस बल के जवानों ने उसका मुहतोड़ जवाब दिया। उरी हमले के बाद जब भारत ने सर्जिकल स्ट्राइक की, पुलवामा हमले के बाद जब एयर स्ट्राइक हुआ, ऑपरेशन महादेव में पहलगाम के आतंवादियों को मार गिराया गया तब भी विपक्षी पार्टियों ने इसके सबूत मांगे जो की हमारे सेना के मनोबल को ठेस पहुँचाने और विपक्ष की निम्न स्तर की राजनीति को दर्शाता है। विपक्ष के नेता राष्ट्रीय सुरक्षा के बजाय राजनीति और तुष्टिकरण में लिप्त हैं। ये सभी ऑपरेशन न केवल हमारी सेना की वीरता और रणनीतिक क्षमता को दर्शाते हैं, बल्कि यह भी साबित करते हैं कि भारत अब आतंकवाद के खिलाफ चुप नहीं रहेगा। ऑपरेशन सिंदूर में भारत ने पाकिस्तान और पीओके में आतंकी ठिकानों पर सटीक हवाई हमले किए। यह ऑपरेशन भारत की नई रणनीतिक सोच और आत्मनिर्भर रक्षा शक्ति का प्रतीक था। हमारे एयर डिफेंस सिस्टम ने हजारों मिसाइलों और ड्रोनों को नाकाम किया, जिसने दुनिया को हमारी तकनीकी ताकत दिखाई। भावना बोहरा ने आगे कहा कि लोकसभा में माननीय प्रधानमन्त्री नरेंद्र मोदी जी ने स्पष्ट किया की भारत किसी अन्य देश के दबाव और कहने पर सीज फायर नहीं किया, उन्होंने स्पष्ट किया कि ऑपरेशन सिंदूर अभी भी जारी है यदि पाकिस्तान ने फिर से कोई कायराना हरकत की तो भारत गोली का जवाब गोले से देने के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने बताया कि इसने पाकिस्तान की परमाणु धमकी को झूठा साबित किया और आतंकियों के आकाओं को करारा जवाब दिया। माननीय गृह मंत्री जी ने स्पष्ट किया, ऑपरेशन सिंदूर आतंकियों के दिल पर हमला था, और यह अभी भी जारी है। अगर पाकिस्तान ने जरा सी गड़बड़ी की, तो करारा जवाब मिलेगा। केन्द्रीय रक्षा मंत्री जी ने भारतीय सेना के उच्च मनोबल और समन्वित कार्रवाई की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर भारत की नई रक्षा नीति और आत्मनिर्भरता का प्रतीक है, जिसमें स्वदेशी हथियारों और तीनों सेनाओं के तालमेल ने अहम भूमिका निभाई।

भावना बोहरा ने कहा कि ऑपरेशन महादेव, जो 22 अप्रैल 2025 से शुरू हुआ, आतंकियों के लिए काल बन गया।

बहु दिव्यांग विशेष आवासीय विद्यालय का किया गया निरीक्षण

खानपान, मनोरंजन तथा स्वास्थ्य सहित दी जा रही सुविधाओं का लिया जायजा

महासमुंद / जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, महासमुंद के सचिव श्रीमती आफ़रीन बानो द्वारा आज समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित बहु दिव्यांग विशेष विद्यालय तथा आशा मनोविकास केन्द्र का निरीक्षण किया गया। प्रबंध कार्यालय जिला विधिक सेवा प्राधिकरण महासमुंद के अधिकार मित्र हरिचंद साहू ने अपने विज्ञप्ति में बताया कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण महासमुंद के सचिव श्रीमती आफ़रीन बानों ने बागबाहरा रोड संजय कानन के पास शासकीय बहु दिव्यांग विशेष आवासीय विद्यालय तथा नयापारा स्थित शांति मैत्री विकास संस्थान द्वारा संचालित आशा मनोविकास केन्द्र (घरौदा) पहुंचकर उपस्थित दिव्यांग बच्चों के हालचाल जाना तथा शासन द्वारा दी जा रही सुविधाओं के बारे में परख की साथ दिव्यांग बच्चों को दी जा रही मूलभुत सुविधाओं से भी अवगत हुए। समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित शासकीय बहुदिव्यांग विशेश अवासीय विद्यालय में दी जा रही सुविधा जैसे भोजन गुणवत्ता, पानी, बिजली, स्वच्छता अथवा मनोरंजन के साथ-साथ स्वास्थ्य सुविधाओं के बारे में भी विस्तापूर्वक जानकारी ली। इसके अलावा उन्होंने शांति मैत्री विकास संस्थान द्वारा संचालित आशा मनोविकास केन्द्र (घरौदा) में उपस्थित दिव्यांगजनों से मुलाकात कर क्रीडा, मनोरंजन के साधन तथा सुविधाओं का भी जायजा लिया।

गंगा प्रकाश
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

आवश्यकता है

छत्तीसगढ़ में तेजी से बढता हुआ अखबार ...गंगा प्रकाश को छत्तीसगढ़ के समस्त जिला एवं ब्लाक में विज्ञापन एवं समाचार संकलन हेतु विज्ञापन संकलनकर्ता एवं रिपोर्टरो की आवश्यकता है।

पत्रकारिता के क्षेत्रमें इच्छुक व्यक्ति जल्द संपर्क करें।

संपर्क सुत्र :- 8878098815 9770269285

थानसिंग निषाद को 'सदस्यता दीप सम्मान' से नवाज़ा जाएगा – भाजपा सदस्यता अभियान 2024 में गरियाबंद जिले की ऐतिहासिक उपलब्धि

मुख्यमंत्री निवास रायपुर में 2 अगस्त को आयोजित होगा भव्य सम्मान समारोह 7 संगठन निष्ठा और सेवा भाव को मिला प्रदेश स्तर पर सम्मान

छुरा (गंगा प्रकाश)। भारतीय जनता पार्टी द्वारा देशभर में संचालित सदस्यता अभियान 2024 ने जहां राष्ट्रीय स्तर पर संगठन को नई ऊर्जा से परिपूर्ण किया, वहीं छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले ने इस अभियान में अपने उल्लेखनीय प्रदर्शन से प्रदेश स्तर पर एक नई पहचान बनाई है। इसी सफलता श्रृंखला में छुरा नगर पंचायत के पूर्व सभापति और समर्पित भाजपा नेता थानसिंग निषाद को सदस्यता दीप सम्मान से सम्मानित किया जाएगा।

यह सम्मान उन्हें 2 अगस्त 2025 को रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास में आयोजित एक गरिमामयी समारोह में मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के कर-कमलों से प्रदान किया जाएगा। यह उपलब्धि केवल व्यक्तिगत सम्मान नहीं, बल्कि गरियाबंद जिले के समर्पित कार्यकर्ताओं के अथक प्रयासों और संगठन के प्रति निष्ठा का प्रतीक है।

भाजपा सदस्यता अभियान: गरियाबंद ने जीता भरोसा- भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा के मार्गदर्शन और केंद्रीय नेतृत्व की रणनीति के तहत चलाए गए इस व्यापक अभियान में गरियाबंद जिले ने संगठनात्मक मजबूती दिखाते हुए प्रदेश में चौथा स्थान हासिल किया। इस गौरवमयी उपलब्धि में विधायक रोहित साहू के मार्गदर्शन और ज़मीनी कार्यकर्ताओं की भागीदारी निर्णायक रही।

थानसिंग निषाद ने इस अभियान में सैकड़ों लोगों को पार्टी से जोड़ते हुए एक मिशन की तरह इसे जनआंदोलन में बदल दिया। उनका जमीनी जुड़ाव, सामाजिक संवाद और संगठन कौशल ने भाजपा को छुरा क्षेत्र में नई ऊँचाइयों तक पहुँचाया।

थानसिंग निषाद: सेवा, समर्पण और संघ संस्कार के प्रतीक

थानसिंग निषाद का राजनीतिक जीवन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (ऋस्स) से प्रारंभ हुआ। वे संघ के प्रथम वर्ष प्रशिक्षित स्वयंसेवक हैं और वहीं से उन्हें अनुशासन, राष्ट्रभक्ति और जनसेवा की प्रेरणा मिली।

2006 में विहिप शंकरनगर, रायपुर में संयोजक के रूप में संगठन यात्रा की शुरुआत।

2008 में भाजपा की प्राथमिक सदस्यता ली।

2014 से भाजयुमो मंडल मंत्री, मांझी प्रकोष्ठ जिला सह-संयोजक और युवा मोर्चा जिला महामंत्री जैसे जिम्मेदार पदों का निर्वहन किया।

अकलतरा और कुरुद विधानसभा में पूर्णकालिक कार्यकर्ता के रूप में कार्य करते हुए संगठन को मज़बूती दी।

2019 में छुरा नगर पंचायत के सभापति निर्वाचित हुए और अपने कार्यकाल में विकास तथा जनहित को प्राथमिकता दी।

उनकी धर्मपत्नी श्रीमती लुकेश्वरी निषाद ने भी छुरा नगर पंचायत अध्यक्ष पद पर ऐतिहासिक जीत दर्ज की, जो निषाद परिवार की जनसेवा और जनता के विश्वास की मिसाल है।

छुरा में जश्न का माहौल- थानसिंग निषाद को सदस्यता दीप सम्मान मिलने की खबर से छुरा क्षेत्र में खुशी की लहर दौड़ गई है। भाजपा कार्यकर्ताओं और स्थानीय जनप्रतिनिधियों में उत्साह का वातावरण है।

बधाई देने वालों में प्रमुख नाम:- नरेंद्र तिवारी, तुलाराम साहू, चम्पेश्वरगिरि गोस्वामी, समारू साहू, भोले शंकर जायसवाल, गरिमा ध्रुव, निखिल साहू, चित्ररेखा ध्रुव, रजनी लहरे, अजय चंद्राकर, कुलेश्वर सिंहा, संतोषी साहू, विजय देवांगन, सफर सचदेव, मितेश ध्रुव सहित सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने अपनी शुभकामनाएँ प्रेषित की हैं।

थानसिंग निषाद को मिलने वाला यह सम्मान न केवल उनके व्यक्तिगत योगदान का मूल्यांकन है, बल्कि यह संगठन की उस जमीनी ताकत को भी मान्यता देता है जो विचारधारा, सेवा और समर्पण पर आधारित होती है।

2 अगस्त का दिन गरियाबंद जिले के लिए गौरव का दिन होगा — जब थानसिंग निषाद सदस्यता दीप की ज्योति से प्रदेश स्तर पर गरियाबंद के नाम को रोशन करेंगे।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक प्रकाश कुमार यादव द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, जय स्तंभ चौक रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व मकान नंबर-451, वार्ड नंबर-12, झुलेलाल पारा, छुरा (नगर पंचायत), जिला-गरियाबंद (छ.ग.)-493996 से प्रकाशित। *संपादक प्रकाश कुमार यादव मो. 9589154969, प्रबंध संपादक रज्जू बंजारे मो.- 9770269285 (* समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र गरियाबंद होगा।